RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 8 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 30-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 माँ केवल जन्मदायिनी ही नहीं बल्कि प्रथम गुरु भी होती हैं : पटेल

6 प्रेमचंद की सार्वकालिक प्रासंगिकता

7 भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती : सीरत कपूर

लोकसभा में प्रश्नपत्र लीक निरोधक विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने बुधवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी। नीट प्रश्नपत्र लीक की पृष्ठभूमि में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में सख्त प्रावधान शामिल करने के लिए लाए गए इस संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस कारण सदन की कार्यवाही पहले एक बार करीब 40 मिनट के लिए अपराह्न ढाई बजे तक और फिर तीन बजे तक स्थगित कर दी गई। तीन बजे सदन की बैठक शुरू होने पर कांग्रेस के सांसद एलओपी को बोलने' दो के नारे लगाते हुए हंगामा कर रहे थे। हंगामे के बीच ही प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दिया और उनके जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। विधेयक पारित होने के बाद कांग्रेस सांसदों की नारेबाजी के बीच ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

चर्चा का जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक के मामले में सरकार ने फौरन कार्रवाई की और 12 जुलाई को जांच सीबीआई को सौंप दी गई। उन्होंने कहा कि कल इस मामले में आरोपपत्र दायर कर दिया गया है और आज से सुनवाई शुरू हो गई है। सिंह ने कहा कि नए संशोधन विधेयक के प्रभाव में आने के बाद फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवाई के साथ इस मामले में पांच महीने में फैसला आ जाएगा। सिंह ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक के विरुद्ध कड़े प्रावधान के साथ मूल कानून 2024 में लागू किया गया था और आज प्रश्नपत्र लीक संबंधी खामियां सामने आने के बाद सरकार ने माना कि कानून को और कड़ा बनाने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने चर्चा के दौरान कहा कि दिल्ली में मासूम बच्चों पर जुल्मोसितम ढाया गया, जबकि सरकार ने सर्वोच्च संयम के साथ कार्रवाई की और सुनिश्चित किया कि कोई हताहत नहीं हो। उन्होंने कहा, शायद वह (गोगोई) अपने अनुभव से बोल रहे थे। क्योंकि असम में 1979 से 1984 तक छात्रों के आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई में 860 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर छात्र थे। उस समय असम में कांग्रेस की सरकार थी। सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने देश में पिछले कुछ साल में 152 बार प्रश्नपत्र लीक होने और इनमें 750 करोड़ बच्चों के प्रभावित होने का दावा किया। उन्होंने कहा, पता नहीं प्रियंका गांधी यह आंकड़ा कहां से लाईं। सिंह ने कहा कि प्रियंका गांधी ने 2024 का कानून लागू होने के बाद कोई कार्रवाई नहीं होने की बात कही, जबकि ऐसे मामलों में 52 प्राथमिकियां दर्ज हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की प्रतिबद्धता के अनुरूप यही सरकार 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई जो कांग्रेस का अधूरा काम था। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक करने या अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों को कम से कम पांच साल और अधिकतम 10 साल तक के कारावास तथा 50 लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है। इसी तरह संगठित अपराधों के लिए कम से कम सात साल के कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होंगी। विधेयक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित अदालतें स्थापित करने का निर्देश देने का भी प्रस्ताव है। ये अदालतें आरोपपत्र दाखिल किए जाने के तीन महीने के भीतर मुकदमे की कार्यवाही पूरी करेंगी।

राहुल को सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली की बुनियादी जानकारी नहीं : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली की बुनियादी जानकारी नहीं होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में तथ्यों के बिना गैर जिम्मेदारी से बात कह देना विपक्ष के नेता का व्यवहार नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया।

फर्स्ट टेक

साक्षी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में भारत का पांचवां पदक पक्का किया

ग्लास्गो/भाषा। भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। 26 वर्ष की साक्षी ने उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को 5.0 से हराया। लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), प्रीति पवार (54 किलो) और जादूमणि सिंह (पुरुष 55 किलो) के बाद वह इन खेलों में पदक पक्का करने वाली पांचवीं भारतीय मुक्केबाज बन गई।

गुरु पूर्णिमा पर हवन के दौरान पेड़ की शाखा गिरने से दो महिलाओं की मौत

बदाय।बदायूं के ललेई गांव में पीपल के पेड़ के नीचे बने देवस्थान पर आयोजित हवन यज्ञ और भजन कीर्तन के दौरान अचानक विशाल शाखा गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि चार अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस के मुताबिक गांव में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में प्राचीन वृक्ष के नीचे स्थित देवस्थान पर हर साल की तरह इस बार भी हवन-यज्ञ और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया था। पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं एकत्र होकर देवी माता के गीत गा रही थीं और हवन में आहुति दे रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि अपराह्न करीब 3:30 बजे अचानक पीपल के पेड़ की एक मोटी और विशाल शाखा नीचे बैठी महिलाओं के समूह पर गिर गईं। उन्होंने कहा कि इसके बाद भगदड़ मच गई, जिसमें कई महिलाएं दब गईं।

मणिपुर के नोनी जिले में सुरक्षाबलों के साथ झड़प में एक की मौत

इंफाल।मणिपुर के नोनी जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और ग्राम स्वयंसेवकों के बीच हुई गोलीबारी में एक ग्राम स्वयंसेवक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान भी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना नागा बहुल नोनी जिले के बितियांग गांव में उस समय हुई, जब अभियान चला रहे सुरक्षाबलों पर ग्राम स्वयंसेवकों की ओर से गोलीबारी की गई। मणिपुर में ग्राम स्वयंसेवक विभिन्न जातीय समुदायों के सशस्त्र नागरिक हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों की सुरक्षा करते हैं। इन स्वयंसेवकों ने वर्ष 2023 में राज्य में शुरू हुए जातीय संघर्ष के बाद यह जिम्मेदारी संभालनी शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे हुई गोलीबारी में एक ग्राम स्वयंसेवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

वंदे मातरम् के विरोध का मतलब 'भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग' का मनोबल बढ़ाना है : राय

राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 राज्यसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की नीति के कारण राष्ट्रगीत का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि 'वंदे मातरम' के विरोध का मतलब भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग के मनोबल को बढ़ाना है। उच्च सदन में राय ने यह बात राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कही। उनके जवाब के बाद सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। गृह राज्य मंत्री के जवाब और विधेयक पारित किए जाने से पहले कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन में गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर विरोध जताते हुए सदन से वॉक आउट किया था। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए राय ने कहा कि यह कोई सामान्य विधायी संशोधन विधेयक नहीं बल्कि भारत की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति हम सभी की प्रतिबद्धता है।

राय ने कहा, वंदे मातरम का विरोध करने का मतलब है कि कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण की नीति को अपना कर इस देश के गौरव को अपमानित करने का काम करती रही है। राय ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वंदे मातरम का विरोध क्यों कर रहे हैं, यह समझ में न आने वाली बात है तथा इस विरोध को देश के बेटे-बेटियां देख रहे हैं। उन्होंने कहा, वंदे मातरम के विरोध का मतलब भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग के मनोबल को बढ़ाना है। उन्होंने आगाह किया कि भारत तेरे टुकड़े होंगे नारे को अब देश का नौजवान, किसान, महिलाएं, मजदूर बर्दाश्त नहीं करेंगे और भारत के लोग इनको सबक सिखाएंगे।

उन्होंने कहा कि 1971 के राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम के माध्यम से संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र गान जन-गण-मन के सम्मान की सुरक्षा सुनिश्चित की गयी थी।

जापान में भूकंप से अब तक 18 लोगों की मौत

कुमामोतो/एपी। जापान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में आए शक्तिशाली भूकंप में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। सैनिकों और आपातकालीन कर्मियों ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त एक शॉपिंग मॉल और ढहे मकानों के मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए बुधवार को भी तलाश अभियान जारी रखा।

दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोतो के प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्रांत में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में कम से कम 62 लोग घायल हुए हैं, जिनमें छह की हालत गंभीर है। बचाव अभियान जारी होने के बीच मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग लापता हैं। काशिमा शहर स्थित 'एयॉन मॉल' के अनुसार, मॉल परिसर में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं।

राहुल ने लोकसभा में गृह मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

सत्तापक्ष ने माफी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर बुधवार को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए, जिसका सत्तापक्ष ने तीखा विरोध किया और उनसे माफी की मांग की। राहुल गांधी ने 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान छात्रों के आंदोलन का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री शाह को लेकर गंभीर आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बताएं कि किस आधार पर उन्होंने देश के एक जिम्मेदार व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाया है या फिर वह माफी मांगें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिना किसी तथ्य, जांच और साक्ष्य के किसी के ऊपर आरोप नहीं लगा सकते। सदन में हंगामे के कारण लोकसभा अध्यक्ष ने बैठक एक बजकर 53 मिनट पर अपराह्न दो बजकर 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी ने चर्चा में भाग लेने के दौरान आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था की आत्मा पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक संगठन ने कब्जा कर लिया है और पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तो सिर्फ एक प्रतीक मात्र थे।

उन्होंने छात्रों के विरोध प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी बच्चों के माता-पिता में साहस नहीं है कि वो भाजपा और उसके वैचारिक संगठन का मुकाबला करें, लेकिन ये बच्चे सामने खड़े हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों ने डर को बाहर निकालकर चुनौती दी और खुलकर सवाल किया। उन्होंने सदन में गृह मंत्री की गैरमौजूदगी को लेकर दावा किया कि तथाकथित 'गृह मंत्री' को हिम्मत नहीं है कि वह सदन में आ सकें। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री सदन में नहीं हैं क्योंकि वह डरे हुए हैं। इसके बाद उन्होंने छात्रों पर बलप्रयोग का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने तीखा विरोध किया और कहा कि राहुल गांधी ने गलत बयान दिया और उन्होंने अपने विशेषाधिकार का हनन करते हुए बयान दिया जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि छात्रों पर बलप्रयोग का आदेश किसने दिया था। सत्तापक्ष के सदस्यों ने 'राहुल गांधी माफी मांगो' और कांग्रेस के सदस्यों ने 'एलओपी को बोलने दो' और 'गृह मंत्री जवाब दो' के नारे लगाए। सदन में काफी देर तक गतिरोध की स्थिति बनी रही। राहुल गांधी ने कहा कि सड़कों पर इस देश के भविष्य ने जो किया, वह कोई गुस्सा, हिंसा और नफरत नहीं थी, बल्कि यह युवाओं की अभिव्यक्ति थी तथा सत्तारूढ़ दल समेत सभी दलों को इसका सम्मान करना चाहिए।

भाषण की शुरुआत में भी राहुल गांधी ने एक शब्द का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि उन्होंने एक छात्रा का नाम लेकर जिस शब्द का इस्तेमाल किया है, वह असंसदीय शब्द है और उसे कार्यवाही से हटा देना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को संसद की मर्यादा के साथ विधेयक पर बोलना चाहिए। सत्तापक्ष की टोकाटोकी के बीच राहुल गांधी ने बोलने से इनकार कर दिया और अपनी सीट पर बैठ गए।

बीरभूम में 20 करोड़ रुपये और 15 किलो सोना जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को बीरभूम जिले में कम से कम 20 करोड़ रुपये नकद और 15 किलोग्राम सोना जब्त किया। राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी के ठिकानों से चार साल पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई रकम के बाद यह अवैध रूप से जमा की गई नकदी और सोने की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। पुलिस ने बताया कि सरकारी बस ड्राइवर से पत्थर व्यापारी बने मीनार मंडल के देवचा गांव स्थित दो मंजिला मकान से एक-एक किलोग्राम वजनी सोने की 14 छड़ और 100-100 ग्राम के सोने के 10 बिस्कुट बरामद किए गए हैं, जिनकी वर्तमान बाजार दर के अनुसार कीमत लगभग 21.5 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि कई थैलों में भरकर रखी गई नकदी की गिनती इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक जारी थी और यह आंकड़ा पहले ही 20 करोड़ रुपये को पार कर चुका था।पुलिस ने मीनार मंडल की पहचान फरार कारोबारी टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के संबंधी के रूप में की है।

टुल्लू मंडल का बीरभूम के पत्थर खनन व्यवसाय में बड़ा कारोबार है और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उसे ''बालू माफिया'' संचालक बताया है।

यह बरामदगी बीरभूम में कथित अवैध खनन और राजस्व चोरी के खिलाफ जारी एक बड़ी कार्रवाई के बीच हुई है।बीरभूम जिला लंबे समय से पत्थर व्यापार से जुड़े अवैध खनन और संगठित अपराध के आरोपों के कारण जांच के दायरे में रहा है।इससे पहले जुलाई 2022 में, राज्य के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़ी प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों से कुल 50 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी, सोना और विदेशी मुद्रा बरामद की गई थी। टुल्लू का नाम करोड़ों रुपये के मवेशी तस्करी मामले में सीबीआई जांच में सामने आया था।

अगस्त 2022 में, एजेंसी ने जिले के मोहम्मद बाजार इलाके में उसके कार्यालय और गोदाम के अलावा उसकी कई संपत्तियों की तलाशी ली थी।

सनातन संस्कृति को तबाह करना चाहती हैं कुछ ताकतें : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कुछ ताकतें भारत की सनातन संस्कृति और परंपरा को तबाह करना चाहती हैं और देश के नागरिक ऐसे लोगों से सतर्क रहें। आदित्यनाथ ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में विगत 23 जुलाई से जारी श्रीराम कथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित करते हुए लोगों से आह्वान किया है कि वे देश की प्रगति यात्रा में बाधा उत्पन्न करने वालों से सतर्क रहें। उन्होंने कहा, हम सभी को भारत के खिलाफ होने वाली साजिशों को समझना होगा। कुछ ताकतें भारत की प्रगति यात्रा, सनातन संस्कृति एवं परंपरा को तबाह करना चाहती हैं।उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर आगाह करते हुए कहा, अपने ही समाज में कालनेमि का रूप धारण कर बैठे देशविरोधी षड्यंत्रकारियों से हम अनभिज्ञ बने रहेंगे तो अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी स्थिति होगी। आदित्यनाथ ने अगले दो-तीन साल में भारत के दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल हो जाने का दावा करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा कि अपनी प्रगति यात्रा में भारत ने जिन्हें पछाड़ा, उन्हें अच्छा न लगना स्वाभाविक है। उन्होंने दावा करते हुए कहा, कई ताकतों को भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती।

विजेता

स्कॉटलैंड में बुधवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दौरान महिलाओं के 70 किलोग्राम भारवर्ग मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड की मॉर्गन हेन्डरसन को हराने के बाद रेफरी ने भारत की अरुंधति चौधरी का हाथ उठाकर उन्हें विजेता घोषित किया।

सूर्यास्त 30-07-2026	सूर्योदय 31-07-2026
6:37 बजे	5:55 बजे

BSE	NSE
77,654.60	24,250.20
(+888.68)	(+264.86)

सोना	चांदी
14,781 रु.	235,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चातुर्मास महात्म्य

उस गांव शहर के भाग्य जहां,
गुणि संत बिताते चार मासा।
संपूर्ण क्षेत्र के जन-जन में,
सत संगत करती नव उजास।
भर जाती स्फूर्ति और ऊर्जा,
सारे विकार करते निकास।
वाणी वचनों को सुन-सुन कर,
बन जाता है हर दिवस खास।।

ड्रीमलाइनर के ईंधन नियंत्रण स्विच में कोई गड़बड़ी नहीं मिली : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को बताया कि बोइंग कंपनी ने ड्रीमलाइनर विमान के ईंधन नियंत्रण ''स्विच लॉकिंग सिस्टम'' की विस्तृत जांच की और इसमें कोई असामान्यता नहीं पाई गई। यह जांच इस साल फरवरी में लंदन हीथ्रो-बेंगलूरु उड़ान संचालन के बाद एयर इंडिया के एक पायलट द्वारा इस प्रणाली में संभावित समस्या की ओर ध्यान दिलाने के बाद कराई गई थी।

एक एयर इंडिया पायलट ने दो फरवरी को उड़ान संख्या एआई132 के संचालन के बाद बोइंग 787-8 विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच में खराबी की सूचना दी थी। लंदन से बेंगलूरु पहुंचने के बाद एयरलाइन ने जांच के लिए इस विमान को सेवा से हटा दिया था। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय ने बोइंग को ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग प्रणाली की जांच करने का निर्देश दिया था। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा को एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि डीजीसीए ने सिएटल में मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) स्तर पर ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग प्रणाली की जांच कराने का निर्देश दिया था। मंत्री ने कहा, ईंधन नियंत्रण स्विच की विस्तृत जांच की गई, जिसमें स्विच के डिटेंट्स (लॉकिंग तंत्र) की संरचनात्मक मजबूती भी शामिल थी। जांच में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। हालांकि, ओईएम सुविधा में पूरे 'थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल' की आगे की जांच जारी है।'' मोहोल से विमान को जांच के लिए फरवरी 2026 में जमीन पर उतारे जाने के बाद डीजीसीए द्वारा सिएटल में कराए गए ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग तंत्र के परीक्षण के परिणामों से जुड़े सवाल पूछे गए थे। इससे पहले एयर इंडिया के एक पायलट द्वारा ड्रीमलाइनर के ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित समस्या बताए जाने के बाद एयरलाइन के प्रवक्ता ने चार फरवरी को कहा था कि कंपनी ने अपने बेड़े में शामिल सभी बोइंग 787 विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच (एफसीएस) की एहतियाती दोबारा जांच पूरी कर ली है और इनमें कोई समस्या नहीं मिली। ड्रीमलाइनर विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच की कार्यप्रणाली पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद हुए एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान हादसे के बाद चर्चा में रही है। लंदन गैटविक जा रहे इस विमान दुर्घटना में कुल 260 लोगों की मौत हुई थी। एएआईबी ने पिछले साल 12 जुलाई को जारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा था कि उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दोनों इंजनों को ईंधन की आपूर्ति एक सेकंड के अंतराल में बंद हो गई थी, जिससे कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एयर फोर्स बाल भारती स्कूल का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को यहां लोधी रोड स्थित एयर फोर्स बाल भारती स्कूल का दौरा किया और छात्रों से उत्कृष्टता हासिल करने, मजबूत नैतिक मूल्यों को बनाए रखने तथा देश की प्रगति में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के रक्षा प्रकोष्ठ की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति ने अपने दौरे के दौरान छात्रों के साथ विशेष संवाद किया।

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह और एयर फोर्स फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सरिता सिंह ने राष्ट्रपति के स्कूल पहुंचने पर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के दौरे की शुरुआत स्कूल की ओर से उनके गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। इसके बाद छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। दौरे का मुख्य आकर्षण राष्ट्रपति और छात्रों के बीच संवाद रहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों को समर्पण के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने, मजबूत नैतिक मूल्यों को बनाए रखने और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया। पीआईबी के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने स्कूल में आयोजित कला प्रदर्शनी भी देखी। इस प्रदर्शनी में जूनियर और सीनियर कक्षाओं के छात्रों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई थीं जो स्कूल में विकसित की जा रही रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा को दर्शाती हैं। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने स्कूल के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और जिम्मेदार भविष्य के नागरिकों के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सर्राफा कारोबारी के पौत्र के अपहरण और हत्या मामले में आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

गोरखपुर/भाषा। गोरखपुर में एक सर्राफा व्यवसायी के 10 वर्षीय पोते के अपहरण और हत्या के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कम्प्यूटर शिक्षक ने 36 लाख रुपये का कर्ज चुकाने के लिए यह साजिश रची थी और पीड़ित के परिवार से एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। सर्राफा व्यवसायी लक्ष्मी नारायण वर्मा का पोता और चौथी कक्षा का छात्र वैभव वर्मा सोमवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद लापता हो गया था। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में वैभव अपने पड़ोसी सर्वेश उर्फ बिट्टू भट्ट के साथ जाता हुआ दिखा, जिसके बाद भट्ट को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह लगभग 36 लाख रुपये के कर्ज के कारण भारी आर्थिक तनाव में था। पुलिस के अनुसार सर्वेश ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले जबरन वसूली के तरीकों के बारे में जानकारी जुटाई और फिरौती के मकसद से व्हाट्सएप कॉल करने के लिए कंबोडिया का मोबाइल नंबर ऑनलाइन खरीदा। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने बच्चे को लालच देकर बुलाया और पास के खेत में ले जाकर कथित तौर पर उसका गला घोंट दिया।

राम मंदिर ट्रस्ट में सचिव पद के लिए जगदीश आफले के नाम का प्रस्ताव किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

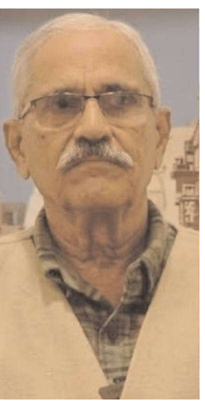

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के परियोजना प्रबंधक रहे जगदीश आफले का नाम श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रथम सचिव के तौर पर नियुक्ति के लिए प्रस्तावित किया गया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ट्रस्ट ने 22 जुलाई को हुई अपनी बैठक में सचिव और प्रवक्ता का पद सृजित करने का फैसला किया था।

सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने पुष्टि की है कि न्यास के सचिव पद के लिये जगदीश आफले का नाम प्रस्तावित किया गया है और उनकी नियुक्ति की औपचारिक घोषणा आगामी दो सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में की जा सकती है।

मंदिर सूत्रों के अनुसार, प्रवक्ता के पद के लिए चयन प्रक्रिया जारी है और कई नामों पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि पुणे (महाराष्ट्र) के रहने वाले जगदीश आफले के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्रगाढ़ संबंध हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई से एमटेक की पढ़ाई करने वाले आफले ने भारत, यूरोप के कुछ देशों और अमेरिका की एक कंपनी में भी काम किया, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद भारत लौट आए। सूत्रों के अनुसार, जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई तो आफले संघ की ओर से परियोजना प्रबंधक के तौर पर मानद सेवा देने के लिए अयोध्या आये थे और तभी से वह अपनी पत्नी के साथ तीर्थ क्षेत्र भवन में रह रहे हैं।

न्गुलखाम जाथोम गंगटे को मेक्सिको में भारत को अगला राजदूत नियुक्त किया गया

नई दिल्ली/भाषा। राजनयिक न्गुलखाम जाथोम गंगटे को मेक्सिको में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को यह जानकारी दी। गंगटे वर्तमान में विदेश मंत्रालय में विशेष सचिव हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, वर्तमान में मंत्रालय में विशेष सचिव न्गुलखाम जाथोम गंगटे (भारतीय विदेश सेवा: 1994) को मेक्सिको में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। उम्मीद है कि वह जल्द अपना कार्यभार संभाल लेंगे।

जो लोग राम मंदिर में चढ़ावा चोरी नहीं रोक पाए, उनसे पेपर लीक रोकने की उम्मीद नहीं : अखिलेश

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी' को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि जो लोग श्रद्धालुओं के चढ़ावे की सुरक्षा नहीं कर सके, उनसे परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक रोकने या निष्पक्ष परीक्षा कराने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, मुद्दा एक ही है। जो लोग दानपात्र और श्रद्धालुओं के चढ़ावे की रक्षा नहीं कर सके, वे पेपर लीक कैसे रोकेंगे या परीक्षाओं को रद्द होने से कैसे बचाएंगे। जो जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर सकते हैं, वे युवाओं के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर सकते हैं।

इससे पहले, सपा सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन कर 'राम मंदिर चढ़ावा चोरी' के मामले को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यादव ने आरोप लगाया कि देश के सामने सबसे बड़ा संकट मौजूदा सरकार ही है और जब तक यह सत्ता में रहेगी, ऐसी समस्याएं बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, देश का सबसे बड़ा संकट यही सरकार है। जब तक यह सरकार नहीं जाएगी, तब तक ये समस्याएं खत्म नहीं होंगी। फैजाबाद के सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भी कथित चढ़ावा चोरी के मामले में भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में बड़े लोगों को बचाने का प्रयास कर रही है। प्रसाद ने कहा, ''मैं इस मुद्दे को उजागर करने के लिए अखिलेश यादव को बधाई देता हूं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार बड़े दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है। यह सामान्य चोरी नहीं, बल्कि करोड़ों राम भक्तों की आस्था से जुड़ी डकैती है।''

न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामला बंद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ जारी आपराधिक मामला बुधवार को बंद कर दिया और उन्हें आरोपी के रूप में तलब करने वाले आदेश रद्द कर दिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री सिंह और अन्य को क्लीन चिट दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश के पास सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' को खारिज कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था।

पीठ ने कहा, ''अपीलकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के कारण यह अपील निष्फल मानकर समाप्त की जा सकती थी लेकिन विशेष न्यायाधीश द्वारा संज्ञान लेने और अपीलकर्ता को तलब करने के पहलू पर विचार करने के लिए हमने सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्टों का अध्ययन किया।'' अदालत ने कहा, ''जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के संबंध में इस अदालत द्वारा लगातार तय किए गए मानकों को ध्यान में रखते हुए हम संतुष्ट हैं कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। हम अपील स्वीकार करते हैं और विवादित आदेश को रद्द करते हैं। परिणामस्वरूप, हम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए मामले को बंद करते हैं।''

वर्ष 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-खख कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित कथित कोयला घोटाले में एक विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला, पूर्व कोयला सचिव पी. सी. पारेख और तीन अन्य लोगों को आरोपी के रूप में तलब किया था। हालांकि, न्यायालय ने इस आदेश में हस्तक्षेप करते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

बीएचईएल को डांगोटे समूह से मिला ठेका

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को नाइजीरिया की डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज से आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति, उनकी स्थापना और चालू करने के कार्य की निगरानी का ठेका मिला है। कंपनी ने बयान में कहा कि कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच मिला यह ठेका डांगोटे समूह की कंपनी डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज ने दिया है।

डांगोटे समूह अफ्रीका के सबसे बड़े और विविध कारोबार वाले समूहों में से एक है। इसकी मौजूदगी तेल शोधन, पेट्रोरसायन, उर्वरक, सीमेंट, चीनी, पैकेजिंग और अन्य क्षेत्रों में है। इस ठेके के तहत बीएचईएल आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज का विनिर्माण और आपूर्ति करेगी। साथ ही परियोजना स्थल पर उनकी स्थापना और चालू करने के कार्य की निगरानी भी करेगी।

इन उपकरणों का विनिर्माण बीएचईएल की हैदराबाद और बेंगलूर इकाइयों में किया जाएगा। बीएचईएल ने मिस्र, इथियोपिया, लीबिया, रवांडा, सेनेगल और सूडान जैसे देशों में बिजली क्षेत्र की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अफ्रीका में मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। इसके अलावा उसने कई अन्य अफ्रीकी देशों को भी विभिन्न उत्पादों और उपकरणों की आपूर्ति की है।

पप्पू यादव का बिरला को पत्र, कंगना रनौत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत की कथित विवादित टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जाए तथा उचित कार्रवाई की जाए।

बिहार के पूर्णिया से लोकसभा सदस्य पप्पू यादव ने अपने पत्र में कहा कि हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत ने गत 28 जुलाई को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक सार्वजनिक पोस्ट के माध्यम से देश की युवतियों, विशेषकर नीट पेपर लीक के विरोध में आंदोलनरत छात्राओं के बारे में अत्यंत ''आपत्तिजनक एवं गरिमाहीन'' टिप्पणी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद ने अपनी पोस्ट में युवा महिलाओं के लिए ''जनरेशन गटर'' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया तथा उन पर नशा करने, मदिरापान करने और कई व्यक्तियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने को स्वतंत्रता का पर्याय मानने का आरोप लगाया। पप्पू यादव ने अपने पत्र में कहा, ''भाजपा सांसद का यह बयान देश की महिलाओं के आत्मसम्मान पर सीधा प्रहार होने के साथ-साथ एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की गरिमा और लोकसभा सदस्य पद की मर्यादा के भी प्रतिकूल है।''

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधियों से संयम, शालीनता और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप आचरण की अपेक्षा की जाती है, लेकिन संबंधित टिप्पणी से यह अपेक्षा भंग हुई है तथा महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रहों को बढ़ावा मिला है।

निर्दलीय सांसद ने यह भी कहा कि इस टिप्पणी को लेकर देशभर में सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर व्यापक आलोचना हो रही है, जिससे लोकसभा की गरिमा पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

जगदंबिका पाल एक दिन के मुख्यमंत्री थे, 'नायक' फिल्म उन पर बनी थी : हनुमान बेनीवाल

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता हनुमान बेनीवाल ने बुधवार को लोकसभा में हल्के-फुल्के अंदाज में पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल के अतीत के राजनीतिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि पाल उत्तर प्रदेश में एक दिन के मुख्यमंत्री थे और अनिल कपूर अभिनीत फिल्म 'नायक' उनके ऊपर ही बनी थी। बेनीवाल ने 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने पीठासीन सभापति पाल से उन्हें बोलने के लिए पर्याप्त समय देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, ''जब आप उत्तर प्रदेश के एक दिन के मुख्यमंत्री रहे थे तो अच्छी व्यवस्था की थी। फिल्म 'नायक' आपके ऊपर ही बनी थी।'' उल्लेखनीय है कि फ़रवरी 1998 में पाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। राजनीतिक उठापटक के चलते उनका कार्यकाल केवल 31 घंटे (लगभग एक दिन) का रहा, जिसके बाद अदालत के आदेश और शक्ति परीक्षण के कारण उन्हें पद छोड़ना पड़ा।

उच्चतम न्यायालय में अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप में गिरफ्तार दो विधि छात्रों को जमानत मिली

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान कथित रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने, सुरक्षाकर्मी से हाथापाई करने और न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में गिरफ्तार विधि के दो छात्रों को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय जैसी प्रतिष्ठित संस्था की महत्ता और मजबूती किसी एक आक्रोशित याचिकाकर्ता के असंयमित व्यवहार से कमजोर नहीं पड़ती, जो बिना वकील के स्वयं पैरवी कर रहा हो। हालांकि, न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि इस तरह का आचरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जाती है।

अदालत उप्र के इटावा निवासी और लखनऊ विवि के तीसरे वर्ष के विधि छात्र प्रबल प्रताप सिंह (24) तथा रायबरेली निवासी दूसरे वर्ष के विधि छात्र चंदर भान (23) की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। प्रबल प्रताप इस मामले में स्वयं याचिकाकर्ता के रूप में अदालत में पेश हुआ था। पुलिस के अनुसार, यह घटना 10 जुलाई को उच्चतम न्यायालय के अदालत कक्ष नंबर-13 में प्रबल प्रताप एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले में विशेष अनुमति याचिका की सुनवाई के दौरान हुई थी। आरोप है सुनवाई के दौरान प्रबल प्रताप ने अभद्र और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया, अदालत में कागज़ फेंके, हंगामा किया और सुरक्षा कर्मियों के साथ बल प्रयोग किया।

जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन करने के प्रावधान वाले विधेयक बुधवार को लोकसभा में किया।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। विपक्षी सदस्य प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ लाए गए लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

संसदीय प्रक्रिया के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधेयक को पेश किए जाने का विरोध करने के लिए विपक्ष के कुछ सदस्यों के नाम पुकारे। हालांकि, कोई विपक्ष सदस्य नहीं बोला और इसके बाद नित्यानंद राय ने विधेयक पेश किया। बीते 20 जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विधेयक को मंजूरी दी थी।

इस विधेयक का उद्देश्य जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (2023 में संशोधित) की धारा 13(3) में और संशोधन करना है, ताकि विलंब से होने वाले पंजीकरण के प्रावधानों को और अधिक कड़ा बनाया जा सके। मौजूदा प्रावधानों के तहत यदि जन्म या मृत्यु का पंजीकरण एक वर्ष से अधिक की देरी से कराया जाता है, तो इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अथवा किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होती है। विधेयक में देरी की अवधि के आधार पर दो-स्तरीय मंजूरी व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।

दो करोड़ रुपये से अधिक का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा गिरफ्तार : डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बुधवार को बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा को झारखंड के धनबाद जिले से गिरफ्तार किया गया है। उस पर 2.20 करोड़ रुपये से अधिक का इनाम था और वह 175 मामलों में वांछित था। डीजीपी ने दावा किया कि देश के सबसे वांछित नक्सलियों की गिरफ्तारी के साथ राज्य में नक्सलवाद का लगभग खात्मा हो गया है।'' उन्होंने बताया कि बेसरा (65) को मंगलवार शाम ऑपरेशन दौड़ा पहाड़' के दौरान धनबाद जिले के बरवड्डा

थानाक्षेत्र के मनियाडीह इलाके से गिरफ्तार किया गया। गिरिडीह जिले के मदनाडीह गांव का निवासी बेसरा प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का एकमात्र सक्रिय शीर्ष स्तर का पोलित ब्यूरो सदस्य था।

पुलिस अधिकारी ने बताया, इस शीर्ष माओवादी पर झारखंड और ओडिशा सरकारों की ओर से कुल 2.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। वह झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में दर्ज 175 मामलों में वांछित था।

डीजीपी ने बताया कि अभियान के दौरान दो अन्य नक्सलियों-15 लाख रुपये का इनामी मेहनत उर्फ मोछू और गौरव को भी गिरफ्तार किया गया। उनके अनुसार, तीनों कुल 320 आपराधिक मामलों में वांछित थे।

मेकेदातु : माकपा ने केंद्रीय मंत्री का बयान वापस लेने की मांग की, दो अगस्त को प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की तमिलनाडु इकाई ने मेकेदातु परियोजना पर राज्यसभा में एक केंद्रीय मंत्री के उस बयान को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा जिसमें कहा गया था कि कर्नाटक को मेकेदातु बांध बनाने के लिए निचले राज्यों की सहमति की आवश्यकता नहीं है। वाम दल ने इस बयान को राज्य के कृषि हितों के साथ ''धोखा'' बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है। माकपा ने कावेरी डेल्टा के जिलों में दो अगस्त को एक बड़े विरोध प्रदर्शन की घोषणा भी की। माकपा के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने पीटीआई-भाषा' से कहा, हम मंत्री के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इस जवाब ने पूरे तमिलनाडु के किसानों और जनता को स्तब्ध कर दिया है।

मार्क्सवादी नेता ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक स्वीकृत नियम है कि ऊपरी राज्य अंतर-राज्यीय नदियों से जुड़े विवादों पर एकतरफा निर्णय नहीं ले सकते। उन्होंने कहा, केंद्रीय राज्य मंत्री (राज भूषण चौधरी) इस सिद्धांत से अनजान नहीं हैं। षणमुगम ने दावा किया कि कर्नाटक सरकार ने कावेरी न्यायाधिकरण के फैसले व अंतर-राज्यीय नदी विवाद पर उच्चतम न्यायालय के अंतिम फैसले के तहत तमिलनाडु के लिए निर्धारित पानी का मासिक कोटा कभी जारी किया ही नहीं है। उन्होंने कहा, इसके बजाय, कर्नाटक ने तमिलनाडु के साथ हमेशा उस जल निकासी बेसिन जैसा व्यवहार किया है, जिसका उपयोग भारी बारिश के समय अतिरिक्त पानी निकालने के लिए किया जाता है। उन्होंने आगे कहा, इन परिस्थितियों में, मेकेदातु बांध का निर्माण तमिलनाडु को उसके पानी के कानूनी अधिकार से वंचित करने का एक स्पष्ट जोखिम पैदा करता है, जिससे यह क्षेत्र रेगिस्तान में बदल सकता है। इससे पूरे राज्य में पेयलजल की आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित होगी। षणमुगम ने कहा कि माकपा केंद्र सरकार से यह मांग करती है कि वह तमिलनाडु सहित निचले राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाए।

कावेरी मुद्दे पर एकजुट हों, तमिलनाडु को रेगिस्तान बनने से बचाएं : दुरईमुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता दुरईमुरुगन ने तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दलों से मतभेद भुलाकर कावेरी नदी विवाद पर एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा कि ''इस मामले पर निष्क्रियता से राज्य रेगिस्तान में बदल सकता है।'' दुरईमुरुगन ने केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी के संसद में दिए हालिया बयान की कड़ी आलोचना की। चौधरी ने दावा किया था कि उच्चतम न्यायालय के 2018 के फैसले में यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है कि मेकेदातु जैसी निर्माण परियोजनाएं शुरू करने से पहले कर्नाटक को तमिलनाडु, केरल या पुडुचेरी की सहमति लेनी होगी।

दुरईमुरुगन ने केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से गलत और खतरनाक बताते हुए कानूनी दस्तावेजों और अदालती फैसलों के अंश पढ़े। उन्होंने कहा कि कावेरी नदी पर किसी भी निर्माण के लिए नदी बेसिन से जुड़े संबंधित राज्यों की सहमति आवश्यक है। दुरईमुरुगन ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, यह किसी पार्टी का मुद्दा नहीं है। तमिलनाडु रेगिस्तान में बदल रहा है।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार केंद्रीय मंत्री के बयान का कड़ा विरोध करे और तथ्यों को छिपाने के मामले में सदन में उनके खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाए। केंद्र सरकार को पत्र लिखने के चलन की आलोचना करते हुए द्रमुक नेता ने आक्रामक कानूनी और राजनीतिक कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों को दिल्ली जाकर ऐसे कदमों को सीधे चुनौती देनी चाहिए।

पूर्व मंत्री अलागिरी की बेटी बैंक प्रबंधक से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरी की बेटी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम. करुणानिधि की पोती कायलविझी अलागिरी को चेन्नई पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक के साथ कथित मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया। हालांकि उन्हें पुलिस थाने से ही जमानत देकर रिहा कर दिया गया। कायलविझी 28 जुलाई को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत समन मिलने के बाद शास्त्री नगर पुलिस थाने के जांच अधिकारी के सामने पेश हुईं।

लगभग दो घंटे की पूछताछ के बाद कायलविझी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया और थाने से ही जमानत दे दी गई, क्योंकि उन पर दर्ज अपराधों के लिए अधिकतम सजा तीन साल से कम है। पुलिस ने कयालविझी पर जमानत के लिए जो शर्तें लगाई हैं उनमें जांच में सहयोग करने और शहर छोड़ने की कोई भी योजना बनाने से पहले अधिकारियों को सूचित करने की शर्त शामिल है।

पुलिस की यह कार्रवाई अड्यार में एसबीआई की अनिवासी भारतीय शाखा में 20 जुलाई को हुई एक घटना के बाद शुरू की है। यह शाखा कयालविझी की एक वाणिज्यिक इमारत से संचालित की जाती है। जांचकर्ताओं के मुताबिक विवाद तब शुरू हुआ जब शाखा प्रबंधक हर्षिन सिंह ने बिल्डिंग में खराब लिफ्ट को लेकर चिंता जताई। पुलिस के मुताबिक रखरखाव प्रतिनिधियों से खराबी ठीक करने के लिए बार-बार कहने पर भी कोई समाधान नहीं निकला, तो सिंह ने यह मामला सीधे कयालविझी के समक्ष उठाया। इसके बाद में वह शाखा गईं और उनकी रखरखाव के मुद्दे पर तीखी बहस हुई। बहस के दौरान कयालविझी ने कथित तौर पर प्रबंधक को अपशब्द कहे, धमकी दी और उनके चेहरे पर थप्पड़ मारा। यह घटना बैंक के सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई और बाद में इसका फुटेज सोशल मीडिया मंच पर बड़े पैमाने पर साझा किया गया। एसबीआई के क्षेत्रीय व्यापार अधिकारी द्वितीय के मुख्य प्रबंधक नामशिवयम की औपचारिक शिकायत के आधार पर, अड्यार पुलिस ने कयालविझी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

100 करोड़ रुपये की पलानी मंदिर भूमि धोखाधड़ी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडीगुल। डिंडीगुल जिले में स्थित प्रसिद्ध पलानी मुरुगन मंदिर से जुड़े एक मठ की बेशकीमती जमीन कथित तौर पर फर्जी विलेख पत्र तैयार कर निजी लोगों के नाम करने के मामले की जांच कर रही तमिलनाडु सीबी-सीआईडी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इन गिरफ्तारियों से मंदिर के नजदीक 1.4 एकड़ जमीन के चर्चित मामले में एक बड़ी कामयाबी मिली है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तिरुपुर के वेल्लाईथुरई (60), डिंडीगुल के अनवरदीन (65) और विल्लुपुरम जिले के मुरुगादास (56) के तौर पर की गई है। पलानी मंदिर भूमि विभाग के अधीक्षक मुरुगनंदम की तहरीर पर पलानी आदिवरम पुलिस थाने में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। नामजद आरोपियों में पलानी के संयुक्त उप पंजीयक जस्टिन मणिकंदन, मंदिर न्यास के सदस्य मुरुगादास, तिरुपुर के वेल्लाईथुरई (जिन्होंने जमीन खरीदी थी) और पलानी पुदुर के सेतुपति शामिल हैं। इन के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी समेत पांच धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारियों के मुताबिक इस जमीन का इस्तेमाल श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त पार्किंग सेवा मुहैया कराने के लिए किया जा रहा है और इसकी बाजार कीमत करीब 100 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि इस महीने की शुरुआत में यह महज दो करोड़ रुपये में निजी लोगों के नाम पंजीकृत कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि 1888 के एक स्थायी बंदोबस्ती विलेख के तहत यह जमीन केवल धार्मिक और परमार्थ कार्यों के लिए समर्पित थी और इसकी किसी भी तरह की व्यावसायिक बिक्री या हस्तांतरण पर रोक थी इसके बावजूद छह जुलाई को यह जमीन निजी लोगों के नाम पंजीकृत कर दी गई। इस पंजीकरण के दौरान हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की स्पष्ट और लिखित आपत्तियों को भी नजरअंदाज किया गया। राज्य सरकार ने इससे पहले गैरकानूनी तरीके से भूखंड पंजीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए पलानी के संयुक्त उप पंजीयक जस्टिन मणिकंदन और जिला पंजीयक शशिकला को निलंबित कर दिया था।

मणिकंदन को मद्रास उच्च न्यायालय से इस मामले में अंतरिम अग्रिम जमानत मिली है और हाल में उनसे अपराध शाखा-अपराध अन्वेषण विभाग (सीबी-सीआईडी) ने सात घंटे तक पूछताछ की थी। सीबी-सीआईडी को 15 जुलाई को मामले की जांच सौपी गई थी और इस मामले में अबतक कई अधिकारियों सहित 80 लोगों से पूछताछ की गई है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ पहले ही विवादित बिक्री विलेख को अमान्य घोषित कर चुकी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने चेन्नई में मेट्रो ट्रेन में यात्रा की

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को यहां नंदनम स्थित मुख्यालय में परिचालन की समीक्षा करने के लिए मेट्रो ट्रेन में यात्रा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विजय ने दोपहर में ओमांदुरार स्टेशन से नंदनम तक मेट्रो में यात्रा की और उनके साथ अधिकारी भी थे। मुख्यमंत्री ने यात्रा के लिए टिकट खरीदा।

सूत्रों के मुताबिक, विजय पोरुर और पूनामाली मेट्रो स्टेशनों के बीच भी निरीक्षण कर सकते हैं। इसी तरह उनका काठीपारा में चल रहे मेट्रो रेल कार्यों का निरीक्षण करने का भी कार्यक्रम है।

कर्नाटक सरकार तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़ने संबंधी आदेश के खिलाफ अपील करेगी : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के उस निर्देश के खिलाफ अपील दायर करने का निर्णय लिया है जिसमें राज्य को तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने को कहा गया है।

मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रेड्डी ने कहा कि यह अपील कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष दायर की जायेगी, क्योंकि राज्य पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है। सीडब्ल्यूआरसी ने मंगलवार को कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह 29 जुलाई से 15 दिनों तक बिलिगुंडलु में 3,500 क्यूसेक पानी का प्रवाह सुनिश्चित करे, जिसके तहत लगभग चार टीएमसी पानी छोड़ा जाएगा।

जल संसाधन मंत्री रेड्डी ने कहा, हमारे लिए सीडब्ल्यूआरसी के आदेशों का पालन करना कठिन होगा, इसलिए हमने अपील करने का निर्णय लिया।

कर्नाटक सरकार के सलाहकार ने अपील का मसौदा तैयार कर भेजा था, जिसे हमने दिल्ली भेज दिया है। हमारे वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन कातार्की मसौदे को मंजूरी देकर भेजेंगे। उनके भेजते ही हम आज ही अपील दायर कर देंगे। हमारे अतिरिक्त मुख्य सचिव यह अपील दायर करेंगे। अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार तमिलनाडु को पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है।

उन्होंने कहा, हम सीडब्ल्यूआरसी के आदेश के खिलाफ सीडब्ल्यूएमए के समक्ष अपील दायर कर रहे हैं। यदि सीडब्ल्यूएमए के आदेश के खिलाफ कोई अपील दायर करनी होगी, तो हमें उच्चतम न्यायालय के समक्ष जाना पड़ेगा। हम आज ही सीडब्ल्यूएमए के समक्ष अपील दायर कर रहे हैं।''

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कावेरी मुद्दे पर बुलाई सर्वदलीय बैठक : उपमुख्यमंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। यह फैसला कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का निर्देश देने के बाद लिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने साफ किया कि राज्य में पानी की कमी है, और पीने के पानी की जरूरतें पूरी करने के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं है। ऐसी स्थिति में पानी छोड़ना मुमकिन नहीं है, इसलिए सरकार सोच-समझकर सही फैसला लेगी। सीडब्ल्यूसी ने मंगलवार को कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह 29 जुलाई से अगले 15 दिनों तक बिलिगुंडलू में 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित करे, जो कुल मिलाकर लगभग चार टीएमसी पानी के बराबर होता है।

परमेश्वर ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। ऐसे मुद्दे उठते रहते हैं। जब पानी उपलब्ध होता है, तो उन्हें (तमिलनाडु को) मांगने की ज़रूरत नहीं पड़ती; हम पानी छोड़ देते हैं। चाहे पिछले साल की बात हो या उससे पहले के साल की, हमने उन्हें आवंटित मात्रा से ज़्यादा पानी छोड़ा था।'' उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''जब इस बार स्थिति ऐसी है कि हमारे पास पीने का भी पर्याप्त पानी नहीं है, तो हमसे 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव बनाए रखने के लिए कहना कितना सही है? जब हमारे पास पानी होगा, हम इसे छोड़ देंगे, इसमें कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस मामले पर

चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है।'' परमेश्वर ने तीन अगस्त को वार्ता के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के बेंगलूरु आने की संभावना पर कहा, अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है। अगर वह आते हैं, तो हम उनके साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

बुधवार को मुख्यमंत्री द्वारा नई दिल्ली में कानूनी विशेषज्ञों और राज्य की टीम के साथ कावेरी मुद्दे पर की जा रही बातचीत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, दिल्ली में सांसदों के साथ हुई हालिया बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन कटारकी और जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी सहित अन्य लोग मौजूद थे। मैं कुछ काम से बेंगलूरु लौट आया था। आज की बैठक में कोई निर्णय लिये जाने की संभावना है। भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सीडब्ल्यूसी द्वारा तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का निर्देश राज्य (कर्नाटक) का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने में ''कांग्रेस सरकार की विफलता'' का नतीजा है। भाजपा ने मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से आग्रह किया कि वह पानी न छोड़ें, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष अपील दायर कर इस आदेश को तुरंत चुनौती दें, और आगे की राह पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाएं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मांड्या और आसपास के इलाकों में किसानों और विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, और इसी तरह के विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी हुए थे। कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु परियोजना के खिलाफ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखे जाने के सवाल पर, परमेश्वर ने कहा, उन्हें लिखने दीजिए। प्रधानमंत्री अदालत से ऊपर नहीं हैं। अदालत जो कुछ भी कहती है वही अंतिम होता है।

उन्होंने आगे कहा, ''अदालत ने खुद पूछा है कि कर्नाटक द्वारा अपने क्षेत्र के भीतर बांध बनाने में क्या समस्या है, जब तक आपके (तमिलनाडु के) लिए आवंटित पानी की मात्रा जारी की जा रही है। अगर उन्हें कोई आपत्ति है, तो उन्हें इसे अदालत के सामने रखना चाहिए।'' तमिलनाडु मेकेदातु परियोजना का विरोध करता है, क्योंकि उसे डर है कि यदि इसका क्रियान्वयन किया गया तो इसका राज्य पर विपरीत असर पड़ेगा।

शिवकुमार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बीच होने वाली बैठक पर भाजपा की आपत्तियों के सवाल पर परमेश्वर ने कहा कि दोनों राज्यों के प्रमुख विभिन्न मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए मिल रहे हैं और संघीय व्यवस्था में इस तरह की बातचीत आम बात है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली निविदा सूचना
(ई-निविदा द्वारा)
ई-निविदा नोटिस संख्या 2026-20-RT-Collection of material दिनाँक 27.07.2026
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई-निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। **01 कार्य का नाम व स्थान:-** Collection of material from Store depot and distribute to various shop store & Inter/Intra Shop materials Movement & Scrap Transportation in Carriage Workshop, NWR, Jodhpur. (48 Months) **02 कार्य की अनुमानित लागत:-** रु 76702221.96 (रु सात करोड़ सड़सठ लाख दो हजार दो सौ इक्कीस रुपये और छियानवे पैसे मात्र) **03 बयाना राशि जो जमा करानी हैं।:-** रु. 1534100.00 (रुपये पंद्रह लाख चौंतीस हजार एक सौ रुपये मात्र) **04 ई-निविदा जमा करने की अन्तिम -दिनांक व समय तथा ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय:-** दिंनाक 21.08.2026 को 15:00 बजे तक तथा 21.08.2026 को 15:00 बजे के बाद **05 वेबसाइट विवरण जहां से ई-निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता हैं।:-** **www.ireps.gov.in** डब्लूडब्लूडब्लू, आईआरईपीएस, जीओवी, आईएन, **06 कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी।:-** मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर-342001 राजस्थान
1095-DO/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
संख्या:NWR-AII0ADMIN(GENS)/45/2022
दिनांक. 25.07.2026
मुख्य परियोजना प्रबन्धक (जीएसयू), उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिए दी गई तिथि को 15:00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या:-** GSUAII-PFshlt-All-5-26, **कार्य का नाम:-** Provision of Full length platform shelter at Ajmer Station (NSG-2) on Platform No-6, including all kind of Electrical works. **अनुमानित लागत:-** Rs. 4,82,89,238.47, **Bid Security:-** Rs. 9,65,800.00, **ई निविदायें बन्द होने की तिथि व समय** - 17.08.2026 को 15:00 बजे, **ई-निविदायें खोलने की तिथि व समय:-** 17.08.2026 को 15:30 बजे, उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वैबसाइट का पता **www.ireps.gov.in**
1088-DO/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली निविदा
ई-टेण्डर नोटिस सं. एस एण्ड टी प्रोजेक्ट जेपी-2025-26-08Rआर दिनांक:25.07.2026
उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/ परियोजना/जयपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से खुली निविदा सं. एस एण्ड टी-प्रोजेक्ट-जेपी 2025-26-08 आर जिसकी बंद होने की तिथि 19.08.2026 समय 15:00 बजे तक का ऑन लाईन ई-टेण्डर आंमत्रित किया जाता है। कोई भी मैनयुअल टेण्डर संबंध में स्वीकार नहीं किया जावेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है उसको देखा नहीं जावेगा। **1. कार्य का नाम एवं लोकेशन:-** उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल के हिसार स्टेशन पर वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की व्यवस्था का प्रावधान। **2. अनुमानित लागत:-** रूपये 244831790.75/-, **3. धरोहर राशि रूपये:-**रूपये 4896600.00/- **4. टेण्डर जमा करने की अंतिम तारीख:-** 19.08.2026 सांय: 15:00 बजे।, **5. वेब साईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन:-** **www.ireps.gov.in or** उप मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/ परियोजना/ जयपुर ऑफिस।
1094-DO/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली निविदा सूचना
(ई-निविदा द्वारा)
ई-निविदा नोटिस संख्या 2026-26 - Water tank दिनाँक 27.07.2026
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई-निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। **01 कार्य का नाम व स्थान:-** Complete work of overhead water tank including complete plumbing work and Strip, Repair refitting of Non AC/AC coach under slung water tank for ICF/LHB Coaches at Carriage Workshop, NWR, and Jodhpur. (24 Months) **02 कार्य की अनुमानित लागत:-** रु.15,655,858.99 (एक करोड़ छप्पन लाख पचपन हज़ार आठ सौ अट्ठावन दशमलव निन्यानवे मात्र।), **03 बयाना राशि जो जमा करानी हैं।:-** रु. 313100.00 (तीन लाख तेरह हज़ार एक सौ दशमलव शून्य शून्य), **04 ई निविदा जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय तथा ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय:-** 17.08.2026 को 15:00 बजे तक तथा 17.08.2026 को 15:00 बजे के बाद, **05 वेबसाइट विवरण जहां से ई निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता हैं।:-** **www.ireps.gov.in** डब्लूडब्लूडब्लू, आईआरईपीएस, जीओवी, आईएन, **06 कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी।:-** मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर-342001 राजस्थान
1091-DO/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

निजी विद्यालय में मासूम से दुष्कर्म का आरोप, लोगों ने सड़क जाम की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में एक निजी विद्यालय के शौचालय में साढ़े तीन वर्ष की बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने सड़क जाम कर दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला 27 जुलाई को सामने आया, जब विद्यालय से घर लौटने के बाद बच्ची ने अपनी मां से पेट में तेज दर्द होने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य परेशानी समझा, लेकिन दर्द बढ़ने पर मां ने बच्ची से प्यार से पूछताछ की।

पुलिस के अनुसार, बच्ची ने बताया कि विद्यालय का एक पुरुष कर्मचारी उसे शौचालय में ले गया, जहां उसने उसे कसकर पकड़ लिया और उसके निजी अंगों को बार-बार छुआ। इसके बाद से ही उसे दर्द होने लगा। परिजनों ने 28 जुलाई को स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग विद्यालय के बाहर एकत्र हो गए और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। देर रात तक गिरफ्तारी नहीं होने पर आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया।

प्रदर्शनकारी पूरी रात विद्यालय के बाहर डटे रहे। पूर्व विधायक श्रीराम भींचर और भाजपा नेता प्रकाश भाकर सहित कई जनप्रतिनिधि भी प्रदर्शन में शामिल हुए। पूर्व विधायक ने सुबह चार बजे तक धरने पर बैठकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। डीडवाना के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विक्की नागपाल और थाना प्रभारी पंकज कुमार मौके पर पहुंचे तथा प्रदर्शनकारियों से बात की। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए तीन दिन का समय मांगा तथा कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद सुबह करीब चार बजे जाम समाप्त कर दिया गया।

नागपाल ने कहा, परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जिला कलेक्टर अवधेश मीणा ने जांच के लिए एक समिति का गठन किया है, जो तीन दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। तब तक विद्यालय बंद रहेगा। उन्होंने कहा, बच्ची अभी आरोपी की पहचान नहीं कर पाई है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने इसे मानवता को शर्मसार करने वाली घटना बताते हुए त्वरित अदालत में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मकराना के एक विद्यालय में साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की भयावह घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। यह जघन्य कृत्य मानवता पर कलंक है। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा किसी भी सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान की भाजपा सरकार इस कसौटी पर अब तक विफल रही है।

अध्यापकों की कमी को लेकर गहलोत ने साधा भाजपा सरकार पर निशाना

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा विभाग में अध्यापकों के खाली पदों को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और इसे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया। गहलोत ने एक बयान में कहा कि शिक्षा विभाग में रिक्त पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है। उन्होंने कहा, भाजपा ने अपने संकल्प पत्र 2023 के पृष्ठ 33 पर लिखित वादा किया था- हम शिक्षा विभाग की सभी रिक्तियों को एक वर्ष में भरने के लिए संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि आज सरकार को ढाई वर्ष से अधिक हो गए हैं और शिक्षा विभाग में रिक्त पदों का आंकड़ा बढ़कर लगभग डेढ़ लाख पहुंच गया है।

गहलोत ने दावा किया कि राज्य में अकेले व्याख्याता के 51,073, वरिष्ठ अध्यापक के 24,384 एवं प्राचार्य के 15,921 पद खाली हैं। उन्होंने कहा कि एक-एक शिक्षक दो-तीन कक्षाएं संभाल रहा है, विज्ञान-गणित-अंग्रेजी जैसे विषयों की पढ़ाई ठप है और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी प्रभावित हो रही है।

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संत-महंतों का सम्मान कर लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को डीग के पूंछरी में संत-महंतों एवं गुरुओं का सम्मान-अभिनंदन किया। उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर परिसर में आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम में संत-महंतों को श्रद्धापूर्वक शॉल-दुपट्टा ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सपत्नीक भगवान श्रीनाथजी एवं परिक्रमा मार्ग पर स्थित मुकुट मुखारविंद का पंचामृत से अभिषेक किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की तथा देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण के लिए कामना की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूंछरी का लौठा पहुंचकर गुरुओं एवं संत-महात्माओं का वंदन-पूजन करते हैं। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरुओं का अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने संतों एवं श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी भी परोसी। मुख्यमंत्री भरतपुर के सेवर में लुधावई स्थित बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर के महंत स्व. श्री रामदास जी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धापूर्वक गुरु वंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संत-महात्माओं का सम्मान किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बड़ा हनुमान मंदिर परिसर के समीप जनसुनवाई की तथा अधिकारियों को आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह को गोवर्धन परिक्रमा क्षेत्र के जतीपुरा स्थित श्री वन बिहारी जी मंदिर में भी दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में श्री अष्ट सखा गोविंद स्वामी जी बैठक एवं अष्ट द्वार के साथ ही ऐतिहासिक ऐरावत कुंड का अवलोकन भी किया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को मंदिर परिसर, बैठक स्थल और ऐरावत कुंड के जीर्णोद्धार, सौंदर्यकरण एवं समुचित संरक्षण को लेकर दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक मंगला दर्शन किए तथा प्रदेश की निरंतर प्रगति और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम एवं विधायक डॉ. शैलेश सिंह एवं जगत सिंह भी उपस्थित रहे।

एसडीजी लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) की राज्य स्तरीय क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक बुधवार को यहां मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने वर्ष 2030 तक निर्धारित एसडीजी लक्ष्यों की राज्य में प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को नीति आयोग और राज्य संकेतकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य ने पोषण, पेयजल सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है जबकि कुछ क्षेत्रों में अभी और सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप योजनाओं एवं गतिविधियों को समन्वित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजना विभाग को सभी संबंधित विभागों के साथ नियमित समन्वय स्थापित करके वास्तविक एवं प्रमाणिक आंकड़े हासिल करने के निर्देश दिए ताकि एसडीसी प्रगति रिपोर्ट राज्य की वास्तविक स्थिति को दर्शा सके। उन्होंने वर्ष 2025-26 तक के नवीनतम आंकड़ों को समयबद्ध रूप से पोर्टल पर अपलोड करने, आंकड़ों की संगतता सुनिश्चित करने तथा विभागों को लक्ष्य निर्धारित करते समय उनकी व्यवहारिकता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

आधिकारिक बयान के अनुसार आयोजना विभाग के शासन सचिव रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि राजस्थान को वर्ष 2030 तक निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्य तथा 248 संकेतकों पर काम करना है। उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति से अवगत कराया तथा बताया कि किन क्षेत्रों में राज्य निर्धारित लक्ष्य की दिशा में सही प्रगति कर रहा है और किन क्षेत्रों में अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

गोद लिए गांवों को नशा मुक्त बनाएं : राज्यपाल

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत प्रयास तेज करने तथा गोद लिए गए गांवों में नशा उन्मूलन के लिए सक्रिय पहल करने के निर्देश दिए। बागडे ने लोकभवन से 'वीडियो कॉन्फ्रेंस' के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं के साथ संवाद करते हुए कहा कि नशे के अधिक खतरे वाले क्षेत्रों की पहचान कर मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ लक्षित अभियान चलाए जाएं। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय अपने परिसरों के आसपास नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों की पहचान करें और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम करें।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से अपील की कि वे अपने जनसंपर्क कार्यक्रमों में 'नशा मुक्त गांव' की अवधारणा को शामिल करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय गांवों को गोद लेकर स्थानीय समुदायों और प्रभावशाली लोगों के सहयोग से नशे के प्रति जागरूकता फैलाएं तथा नशे से जुड़ी गतिविधियों पर निगरानी रखें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नशा मुक्त भारत की अपील का उल्लेख करते हुए बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय 'माय भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करें और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से 100 सप्ताह का विशेष कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिसके तहत रैलियां, कार्यशालाएं और जनजागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर इन कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका भी मौजूद थे। उन्होंने अभियान के तहत विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

खड़े ट्रक से टकराई स्कूल वैन, एक छात्र की मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में बुधवार सुबह एक स्कूल वैन के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से 15 वर्षीय एक छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बांसवाड़ा की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी अयान वासुनिया (15) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, हादसे में छह से अधिक बच्चे घायल हुए हैं।

घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल छात्र रुद्र नेमा (16) को बेहतर इलाज के लिए उदयपुर भेजा गया है। सिंह ने घायल विद्यार्थियों से मुलाकात की और उनके परिजनों को आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, घटना की गहन जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद वैन चालक मौके से फरार हो गया और उसकी तलाश की जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि वैन का संचालन संभवतः सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर किया जा रहा था। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

गुरु पूर्णिमा पर जयपुर जिले में आयोजित हुआ 'गुरुवंदन' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर देवस्थान विभाग द्वारा आयोजित 'गुरुवंदन कार्यक्रम' के तहत जयपुर जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों, मठों एवं मंदिरों में संत-महंतों का श्रद्धा एवं सम्मान के साथ अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा प्रकट करना तथा संत समाज के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करना है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पापड़ के हनुमान जी के महंत कजोड़मल महाराज का एवं मोती डूंगरी मंदिर, परिसर में जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग रतनलाल योगी तथा पूर्व विधायक अशोक परनामी ने मंदिर के महंत कैलाश जी महाराज का शॉल, दुपट्टा, श्रीफल एवं सम्मान सामग्री भेंट कर अभिनंदन किया।

देवस्थान विभाग द्वारा जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धा एवं गरिमा के साथ गुरुजन वंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें प्रमुख रूप से मोती डूंगरी मंदिर, खोले के हनुमान जी मंदिर, वीर हनुमान जी मंदिर, त्रिवेणी धाम, गोविंद देव जी मंदिर, गढ़ गणेश मंदिर, डेहर के बालाजी मंदिर, काले हनुमान मंदिर चाँदी की टकसाल, गुप्त वृंदावन धाम, बस्सी, चाकसू, शाहपुरा, सांगानेर, गोनेर ,आमेर ,जोबनेर तथा दूदू आदि क्षेत्र के मंदिर एवं मठ शामिल रहे।

कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं देवस्थान विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में संत-महंतों का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रेषित 'गुरु वंदन संदेश' भेंट किया गया। जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु, संत एवं महंतों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का महत्वपूर्ण पर्व है। इसी भावना के साथ जिलेभर में आयोजित कार्यक्रमों में संत समाज का अभिनंदन कर समाज में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का संदेश दिया गया।

माँ केवल जन्मदायिनी ही नहीं बल्कि प्रथम गुरु भी होती हैं : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तनावड़ा में गुरु वंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा मातृशक्ति का पूजन किया गया। पटेल ने कहा कि माँ केवल जन्मदायिनी ही नहीं है बल्कि बालक की प्रथम गुरु भी होती है। उन्होंने कहा माता ही बच्चे को नैतिक मूल्यों का पहला पाठ पढ़ाती है।उन्होंने कहा माँ द्वारा दिए गए संस्कार बालक के चरित्र की नींव बनाते हैं। जब यह नींव मजबूत होती है, तो बालक आगे चलकर एक श्रेष्ठ और जिम्मेदार नागरिक बनता है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान जन आंदोलन बन चुका हैं।

उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान चलाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा इस अभियान के तहत 2 वर्ष में 20 करोड़ से भी अधिक वृक्ष लगाए गए हैं और इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

कल्याणकारी योजनाओं पर बनेगी प्रभावी डॉक्यूमेंट्री फिल्म : श्रीनिवास

जयपुर। राजस्थान के दूरस्थ एवं जनजातीय बहुल क्षेत्रों के समावेशी विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 196.39 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। बैठक में मुख्य सचिव ने जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन, फील्ड विजिट्स तथा केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के अनुपालन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आर्टिकल 275(1) के तहत जनजातीय अंचल में हुए उल्लेखनीय बदलावों, यथा ड्रोन लॉजिस्टिक्स, सैटेलाइट ट्राइबल हेल्थ रिसोर्स सेंटर, पशुपालन के लिए सेक्स-सॉर्टेड सीमन तकनीक तथा एसटीईएम लैब्स जैसी नवाचारी परियोजनाओं की सफलता पर एक उच्च गुणवत्तायुक्त डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार की जाए, जिससे राज्य की इन सर्वोत्तम प्रथाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय प्रस्ताव तैयार करते समय जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम से संबंधित सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाए।

मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि अधिकारी केवल कागजी प्रतिवेदन तक सीमित न रहें, बल्कि एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों, आश्रम छात्रावासों, माँ बाड़ी केंद्रों तथा निर्माणाधीन बुनियादी ढांचागत कार्यों का स्वयं औचक निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि विकास प्रस्तावों के चयन में वास्तविक रूप से जरूरतमंद, दूरस्थ जनजातीय बस्तियों, विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह के बाहुल्य क्षेत्रों तथा दुर्गम ग्रामीण पॉकेट्स को प्राथमिकता दी जाए, ताकि विकास का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सके।मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार की प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी से समय पर वित्तीय स्वीकृति एवं बजट आवंटन के लिए अनुमोदित प्रस्तावों को बिना विलंब दिल्ली भिजवाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रतिबद्ध देयताओं के अंतर्गत जसवंतपुरा (जालौर) एवं बाली (पाली) के आवासीय विद्यालयों, आश्रम छात्रावासों, खेल छात्रावासों तथा सड़क-पुलिया निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। सामान्य अनुदान मद के अंतर्गत विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह समुदाय के लिए 28 कम्युनिटी क्रैच , 1,820 युवाओं के लिए बाजार-उन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण, 500 जनजातीय परिवारों के लिए एकीकृत कृषि मॉडल तथा 26 आवासीय विद्यालयों में एसटीईएम लैब्स की स्वीकृति दी गई है।

जोराराम कुमावत ने पाली में किया संतों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देवस्थान विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूरे प्रदेश में एक अनूठी और भव्य पहल की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विभाग द्वारा संपूर्ण राजस्थान में 516 पूज्य संतों और महंतों का सम्मान किया गया। इसी राष्ट्र-व्यापी और सांस्कृतिक संरक्षण की कड़ी में पाली जिले में भव्य गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने स्वयं विभिन्न आश्रमों, मठों और मंदिरों का दौरा कर संतों का अभिनंदन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विशेष रूप से प्रेषित ''गुरु वंदन संदेश'' संतों को भेंट किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस मौके पर मंत्री कुमावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। संत-महात्मा समाज को सही दिशा दिखाने और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को सहेजने के लिए पूरी तरह संकल्पित है, और यह आयोजन इसी सम्मान की भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज का समाज जब भौतिकता की दौड़ में अपनी शांति खो रहा है, तब संतों और गुरुओं के विचार ही हमें मानसिक शांति और जीवन जीने का सही उद्देश्य सिखाते हैं। संत निस्वार्थ भाव से पूरे समाज के कल्याण की कामना करते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से फोन पर बात कर राज्य में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और राहत एवं पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। असम में इस साल बाढ़ के कारण अब तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3.32 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ समय पहले मुझे फोन कर असम बाढ़ के मद्देनजर जारी राहत प्रयासों की समीक्षा की।''

उन्होंने कहा कि शाह ने जमीनी स्थिति के बारे में जानकारी ली और यह आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक हर सहायता उपलब्ध कराती रहेगी।

शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री को उनके निरंतर सहयोग और असम के लोगों के प्रति 'अटूट प्रतिबद्धता'' के लिए आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने (अमित शाह) कहा है कि केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां और संसाधन इस कठिन समय में असम के लोगों के लिए उपलब्ध हैं। यह दूसरी बार है जब शाह ने बाढ़ की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री से बात की है। इससे पहले उन्होंने 23 जुलाई को भी इस संकट की समीक्षा की थी।

राष्ट्रगीत को आजादी के 75 साल बाद कानूनी संरक्षण की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी : रास में सदस्यों ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के उद्देश्य से लाए गए राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बुधवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान सदस्यों ने राष्ट्र प्रतीकों के सम्मान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा कहा कि राष्ट्रगीत को आजादी के 75 साल बाद कानूनी संरक्षण की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी।

विधेयक में राष्ट्रगीत के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने और दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक की सजा, जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं। उच्च सदन में इस विधेयक पर हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि पिछले 123 साल से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा कहलाने वाले राष्ट्रगीत का बार-बार अपमान हुआ। यह विधेयक सदन में 24 जुलाई को पेश किया गया था। लेकिन नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन की कार्यवाही में बार-बार व्यवधान होने के कारण इस विधेयक पर चर्चा नहीं हो पाई। इस विधेयक पर सदन में चर्चा आज हुई जिसमें हिस्सा लेते हुए भाजपा सदस्य अग्रवाल ने कहा कि क्रांतिकारियों को अपमानित करने के लिए ''वंदे मातरम'' का अपमान किया जाता था लेकिन आज जोश भर देने वाले राष्ट्रीय प्रतीक ही अपमानित हो जाते हैं।

दास ने कहा कि राष्ट्रगीत को आजादी के 75 साल बाद कानूनी संरक्षण की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। वाईआरएस कांग्रेस पार्टी के गोला बाबूराव ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान हमारे संस्कारों पर भी सवाल उठाता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि ''पिंगली वेंकैया ने हमारे देश के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) का मूल डिजाइन तैयार किया था, जिसके आधार पर वर्तमान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया। पिंगली वेंकैया राष्ट्रीय प्रतीक हैं।'' उन्होंने मांग की कि पिंगली वेंकैया के परिजन आज बेहद कठिनाई का सामना कर रहे हैं और उनकी मदद की जानी चाहिए। राजद के मनोज कुमार झा ने कहा पहली बार देख रहा हूं कि राष्ट्रीय गान को राष्ट्रीय गीत के सामने खड़ा किया जा रहा है। बीआरएस के रविचंद्र वद्दीराजू ने कहा, ''समय को देखते हुए यह विधेयक अनिवार्य लगता है। हर राज्य में और देश में राष्ट्रीय प्रतीक हैं लेकिन हम आपसी प्रतिद्वंद्विता में, निहित स्वार्थ के चलते उनका अपमान करते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।'' तेदेपा के विजय चिंताकायला ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि देश सर्वोपरि है और इसके सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम'' का जयघोष करते हुए कितने लोगों ने बलिदान दिए हैं, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। भाजपा के मयंक कुमार नायक ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम'' ने राष्ट्रभक्ति की भावना के प्रसार में कालजयी भूमिका निभाई है। सवाल यह है कि देश की आजादी के 75 साल के बावजूद वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण क्यों नहीं मिल पाया?''

कांग्रेस को निशाना बनाते हुए नायक ने इसके लिए पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा वंदे मातरम् कांग्रेस का, भाजपा का या अन्य किसी दल का नहीं है बल्कि यह हम सबका है। शिवसेना की डॉ ज्योति नागनाथ वाघमारे ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं है बल्कि यह गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर निकलने वाली आजादी की हुंकार है जिसका हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए।

केरल सरकार ने शासन व्यवस्था में पांच अहम सुधारों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवंनतपुरम/भाषा। केरल मंत्रिमंडल ने शासन में पांच महत्वपूर्ण सुधारों को बुधवार को मंजूरी दे दी। इन सुधारों का उद्देश्य लोक प्रशासन को मजबूत करना, पारदर्शिता बढ़ाना और उन खामियों को दूर करना है जिनकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में राज्य के राजस्व को भारी नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से शासन और 'परियोजना निगरानी' के लिए एक व्यापक डिजिटल अवसंरचना तैयार होगी।सतीशन ने बताया कि पहला सुधार 'संपथ' (प्रशासन, निगरानी और समन्वय के लिए विशेष परिसंपत्ति प्रबंधन मंच) बनाना है। यह एक केंद्रीयकृत डिजिटल मंच होगा जिस पर सरकार की सभी परिसंपत्तियों-जैसे जमीन, इमारतें, विरासत ढांचे, सड़कें, बांध, पुल, वाहनों और मशीनरी का विवरण दर्ज होगा।

उन्होंने बताया कि दूसरा सुधार प्लानस्पेस 2.0' का विकास है, जो जीआईएस-सक्षम परियोजना रजिस्ट्री है और इसके जरिये विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा मंजूर की गई सभी पूंजीगत परियोजनाओं पर डिजिटल नजर रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मंच जियो-टैगिंग' को शामिल करेगा और प्रत्येक परियोजना को स्थान, लागू करने वाली एजेंसी, मंजूरी देने वाले प्राधिकार, वित्तपोषण का स्रोत और निर्माण के चरण जैसी जानकारियों के साथ दर्शाएगा। सतीशन ने कहा कि तीसरे सुधार के तहत सभी सरकारी संस्थानों की एक व्यापक रजिस्ट्री तैयार की जाएगी।

भोजशाला विवाद : न्यायालय वैकल्पिक नमाज स्थल संबंधी मुस्लिम पक्ष की याचिका पर आज सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय बृहस्पतिवार को मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें कहा गया है कि मध्यप्रदेश के धार में विवादित भोजशाला परिसर के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराने के अदालती निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने 24 जुलाई को कहा था कि याचिका पर बुधवार को सुनवाई की जाएगी। हालांकि, पीठ के जल्दी उठ जाने के कारण इस पर सुनवाई नहीं हो सकी। पीठ जब दिन की कार्यवाही खत्म करने वाली थी, तब वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी ने इस मामले का उल्लेख किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई होगी। मामले का उल्लेख किए जाने के दौरान, प्रधान न्यायाधीश ने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा, आप श्री अहमदी को वैकल्पिक जगह की जानकारी क्यों नहीं देते? अहमदी ने कहा, आपके आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा। स्थान 1.3 किलोमीटर दूर है और (ज़िला) कलेक्टर ने आदेश दिया है कि सिर्फ़ यही स्थल आवंटित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि अदालत के पहले के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। विधि अधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने एक और जगह की पहचान की है।

उन्होंने पीठ से कहा, ''नहीं, नहीं। हम फिर से मिले थे। हमारे पास एक और जगह है।'' हालांकि, अहमदी ने प्रस्तावित जगह पर आपत्ति जताई तथा कहा कि यह स्थान उपयुक्त नहीं है और बहुत दूर है।

उन्होंने कहा कि भोजशाला स्थल के पास एक दरगाह है और उसके सामने ज़मीन है जो आवंटित की जा सकती है। पीठ ने 14 जुलाई को मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जब तक मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक विवादित भोजशाला परिसर (जिसे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर घोषित किया था) के पास जुमे की नमाज़ के लिए अपराह्न एक बजे से तीन बजे के बीच एक अलग खुली जगह उपलब्ध कराई जाए।

केरल सरकार ने ब्रह्मोस परियोजना के लिए अतिरिक्त भूमि मंजूर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बुधवार को राजधानी जिले में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ब्रह्मोस परियोजना के लिए अतिरिक्त 90 एकड़ भूमि आवंटित करने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि इससे पहले इस परियोजना के लिए 90 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जबकि वास्तव में इसके लिए 180 एकड़ जमीन की आवश्यकता थी।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त 90 एकड़ भूमि मिलने से परियोजना को बाकी आवश्यक स्वीकृति हासिल करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले केवल 90 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जबकि 180 एकड़ की जरूरत थी। अब मंत्रिमंडल ने शेष 90 एकड़ भूमि आवंटित करने का फैसला किया है। यह भूमि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को दी जा रही है।'' सतीशन ने कहा कि मंत्रिमंडल ने 'केरल स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड' (केल्ट्रॉन) की अधिकृत शेयर पूंजी को 35 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 60 करोड़ रुपये करने का भी फैसला किया है।

इस साल दो मार्च को पूर्ववर्ती पिनराई विजयन सरकार ने उन्नत मिसाइल और अन्य रणनीतिक इकाई स्थापित करने तथा संबंधित गतिविधियों के लिए कट्टक्कडा तालुक के कल्लिक्कड़ गांव में ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड को 180 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित करने का फैसला किया था। चाकाई स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड (बीएटीएल) एक प्रमुख रक्षा उत्पादन इकाई है।

पुरी का जगन्नाथ मंदिर बुधवार शाम 'श्रीमुख श्रृंगार' अनुष्ठान के लिए रहेगा बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर बुधवार शाम को बनकलागी नीति' अनुष्ठान हेतु पांच घंटे तक श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा।

'बनकलागी नीति' एक गुप्त अनुष्ठान है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के चेहरों को प्राकृतिक रंगों से फिर से सजाया जाता है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने एक अधिसूचना में कहा, बुधवार (29 जुलाई, 2026) को आषाढ़ शुक्ल (व्यास पूर्णिमा) तिथि के अवसर पर देवी-देवताओं की 'बनकलागी नीति' संपन्न की जाएगी। इसलिए दूसरी भोग मंडप सेवा पूरी होने के बाद शाम छह बजे से रात 11 बजे तक सार्वजनिक दर्शन अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगे। 'बनकलागी' को 'श्रीमुख श्रृंगार' भी कहा जाता है।

यह अनुष्ठान पारंपरिक रूप से बुधवार या बृहस्पतिवार को किया जाता है। इस दौरान 12वीं शताब्दी के इस मंदिर के सभी द्वार बंद रहते हैं। 'दत्त महापात्र' नामक विशेष सेवादारों का एक समूह 'रत्न सिंहासन' पर जाकर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के चेहरों का फिर से शृंगार है। लगभग चार से पांच घंटे तक चलने वाले इस अनुष्ठान में केवल प्राकृतिक और जैविक रंगों के साथ कस्तूरी, कपूर और केसर जैसी सुगंधित सामग्रियों का इस्तेमाल किया जाता है।

उत्तरी ओडिशा में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 1.25 लाख लोग प्रभावित

भुवनेश्वर/भाषा। उत्तरी ओडिशा में बुधवार को बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और लगातार हो रही बारिश से प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ गया एवं कई गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। बाढ़ से राज्य के पांच जिलों में 1.25 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को देखते हुए 10 जिलों में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गहरे दबाव के कारण हुई वर्षा से नदियां उफान हैं। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज और क्योंझर जिलों के गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है और कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि बालासोर जिले में बुधबलंगा और जालका नदियों में आयी बाढ़ से कई गांवों में पानी भर गया है, जबकि भद्रक और जाजपुर जिलों में बैतरणी, बुधा और सालंदी नदियों ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, क्षेत्र की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले करीब 50,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इन लोगों को राहत केंद्रों में पहुंचाया गया है, जहां उन्हें पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और दमकल विभाग की टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बाढ़ प्रबंधन की निगरानी और राहत कार्यों के समन्वय के लिए सबसे अधिक प्रभावित बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों में तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को भी तैनात किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों के दौरान ओडिशा के कई स्थानों पर अत्यधिक वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है।

एसईसीएल ने निष्क्रिय पड़ी 28 खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. की अनुषंगी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (एसईसीएल) ने पिछले दो वित्त वर्षों में बंद पड़ी 28 कोयला खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया है। यह पहल भूमि क्षरण, सुरक्षा जोखिम और बिना उपयोग वाले बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों से निपटने के उद्देश्य से की गई है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि वैज्ञानिक तरीके से बंद की जाने वाली 54 परित्यक्त यानी बंद पड़ी खदानों की पहचान की गई थी। इनमें से वित्त वर्ष 2024-25 में तीन और 2025-26 में 25 खदानों को सफलतापूर्वक वैज्ञानिक तरीके से बंद किया गया। एसईसीएल का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 और खदानों को बंद करना है, जबकि शेष 15 खदानों को वित्त वर्ष 2027-28 में चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा।

एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा, खदान बंद होना खनन गतिविधि का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। कंपनी का उद्देश्य भूमि पुनर्स्थापन, पर्यावरण संरक्षण और पुनर्विकसित खदान क्षेत्रों को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आजीविका सृजन तथा स्थानीय समुदायों के उपयोगी संसाधन के रूप में विकसित करना है।

उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की याचिका की सुनवाई के लिए सहमति जताई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश कांग्रेस के अयोग्य ठहराए गए विधायक राजेंद्र भारती की याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई। इस याचिका में उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें धोखाधड़ी के एक मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। यह मामला 1998 से 2011 के बीच अवैध ब्याज भुगतान हासिल करने के लिए बैंक रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़ा है। निचली अदालत ने दो अप्रैल को इस मामले में जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष भारती को तीन साल की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने के बाद, उच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल को इस मामले में पूर्व विधायक को सुनाई गई तीन साल की सजा पर रोक लगा दी थी। उच्च न्यायालय ने हालांकि 10 जुलाई को इस मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। दोषसिद्धि के बाद भारती को राज्य विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। निर्वाचन आयोग ने भारती के निर्वाचन क्षेत्र दतिया के लिए 30 जुलाई को उपचुनाव कराने की अधिसूचना जारी कर दी है।

नूंह में 'जीवित समाधि' का करतब बना काल, युवक की दम घुटने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के नूंह जिले में पारंपरिक ग्रामीण सर्कस दल के 27 वर्षीय युवक की 'जीवित समाधि' के करतब के दौरान कथित रूप से दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस करतब में युवक को तीन दिन तक बोरे में जिंदा बंद रहने के बाद बाहर निकलना होता था। पुलिस ने कहा कि युवक पहले कई बार इसे अंजाम दे चुका था, लेकिन इस बार के करतब (स्टंट) के दौरान हुई गड़बड़ी से उसकी जान चली गई। फरीदाबाद के गौंची गांव के निवासी दीपक को जब उनके साथियों ने बोरे से बाहर निकाला तो वह अचेत थे। ''जीवित समाधि'' करतब के तहत दीपक को बोरे में बंद करने के बाद एक गड्ढे में रख उसे मिट्टी से ढंक दिया गया था। 'जीवित समाधि' नाम का यह करतब ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद लोकप्रिय है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि दीपक को 23 जुलाई को गड्ढे में उतारा गया था और अंदर ही दम घुटने से उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बाहर निकाले जाने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मौत की परिस्थितियों की जांच अभी जारी है। पुलिस के अनुसार, दीपक का परिवार पारंपरिक कलाकारों का परिवार है, जो एक गांव से दूसरे गांव जाकर प्रदर्शन करते हैं। दीपक भी करीब 15 वर्षों से इस तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहा था। ये सभी नूंह जिले के तावड़ू क्षेत्र के खौरी गांव में एक खाली प्लाट पर डेरा डाले हुए थे। समाधि के इस करतब से पहले दीपक ने भीड़ के मनोरंजन के लिए साइकिल पर कई तरह के करतब किए। उसका आखिरी करनामा जीवित समाधि था, जिसमें दीपक को एक बोरे में रखकर एक विशेष रूप से खोदे गए गड्ढे में उतारा गया और उसके ऊपर मिट्टी का ढेर डाल दिया गया।

कब्रें भी नहीं रहीं सुरक्षित : केरल में ग्रेनाइट स्लैब चोरी की घटनाओं से लोग स्तब्ध

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल के पथनमथिट्टा जिले के मल्लपल्ली स्थित गिरजाघरों के कब्रिस्तान वर्षों से ऐसे स्थान रहे हैं, जहां परिवार अपने दिवंगत परिजनों को शांतिपूर्वक श्रद्धांजलि देने और उन्हें याद करने के लिए आते रहे हैं, लेकिन यहां अब चोरी की ऐसी घटना सामने आई है जिसने लोगों को हैरानी में डाल दिया है। कब्रिस्तान में लगातार दो दिनों में दो कब्रों पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब चोरी हो गयीं जिससे कब्रें खुली पड़ी हैं और स्थानीय लोग यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ये किसने किया और आखिरकार कोई मृतकों के अंतिम विश्राम स्थल को क्यों निशाना बनाएगा?

लगातार हुई इन दो घटनाओं ने मल्लपल्ली के लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। यहां कब्रिस्तान केवल दफनाने की जगह नहीं, बल्कि यादों, आस्था और पारिवारिक इतिहास के प्रतीक माने जाते हैं। ताजा घटना मल्लपल्ली के मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में सामने आई, जहां थाइकोट्टाथिल परिवार के एक सदस्य की कब्र पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब गायब मिली। गिरजाघर के प्रबंधन ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इससे 24 घंटे पहले मंकुझीपाडी स्थित 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में भी इसी तरह की घटना हुई थी। मंकुझीपाडी में थन्निक्कल परिवार से जुड़ी कब्र पर लगी बड़ी ग्रेनाइट स्लैब भी चोरी हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुविचार

बुरी आदतें धीरे-धीरे बढ़ती हैं, और जीवन को प्रभावित करती हैं। अच्छी आदतें अपनाएं, अनुशासन बनाए रखें, जीवन बेहतर बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तूफानों का सामना कैसे करेगा नया खून?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल के वीर शहीदों को याद कर उन्हें देशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि दी है। जुलाई में देशभर में कारगिल के शहीदों के सम्मान में कार्यक्रम होते हैं। वहीं, अगस्त में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। उन योद्धाओं ने अपनी जान की बाज़ी लगाकर हमारे देश की स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा की थी। उन्हें याद करना इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि वे उस ज़माने का नया खून थे। उनके कारनामों पर फख्र होता है। वहीं, दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर भारत के विभिन्न शहरों में सीजेपी प्रदर्शन के नाम पर जिस तरह कई लोगों ने अभद्रता और अश्लीलता का तांडव मचाया, आपत्तिजनक इशारे किए, उससे माथा शर्म से झुक जाता है। ये लोग किन्हें अपना आदर्श मान बैठे हैं? इन्हें ऐसी हरकतें किसने सिखाईं? आज के कई युवाओं को कारगिल के अमर बलिदानियों के बारे में कुछ मालूम ही नहीं है। वे दिनभर रील देखते हैं और उन लोगों को अपना हीरो मानते हैं, जिन्होंने फिल्मों और वेबसीरीजों में अश्लीलता की बारिश कर रखी है। वे उनके आपत्तिजनक संवादों को दोहराकर खुद को आधुनिक दिखाना चाहते हैं। याद करें, कैप्टन मनोज कुमार पांडेय को, जो सिर्फ 24 साल की उम्र में भारत मां के लिए बलिदान हो गए थे! इतनी ही उम्र में, कैप्टन विक्रम बत्रा साहस और बलिदान की मिसाल बन गए थे। कैप्टन सौरभ कालिया ने देश के लिए प्राण दे दिए, लेकिन अपने लक्ष्य से नहीं डिगे थे। मेजर विवेक गुप्ता सख्त हालात में तोलोलिंग पर तिरंगा लहराने का इरादा लेकर निकले थे। मेजर पद्मपाणि आचार्य गोलियों की बौछार में भी लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे थे। ऐसे कई बलिदानियों ने उस युद्ध में सीने पर गोलियां खाई थीं। उन्होंने अपना लहू बहाया था, इसलिए आज हम सुरक्षित हैं। युवाओं के आदर्श ऐसे योद्धा होने चाहिएं, न कि वे कथित सेलिब्रिटी जो उन्हें उल्टी सीख देते हैं।

नई पीढ़ी के दिलो-दिमाग में कुछ ऐसी आदतें घर कर गई हैं, जो उन्हें कमजोर बनाती हैं। मोबाइल फोन पर अत्यधिक निर्भरता, सुख-सुविधाओं का आदी होना, मानसिक भटकाव, जरा-सी तकलीफ आते ही आगबबूला हो जाना, सोशल मीडिया पर कोई महंगी चीज देखकर उसे पाने के लिए लालायित रहना - ये आदतें उन्हें कैसा नागरिक बनाएंगी? कभी-कभी महसूस होता है कि इन बच्चों के लिए सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए, ताकि इनमें कुछ अनुशासन आ जाए, समस्याओं से जूझने का जज्बा पैदा हो जाए। भले ही हथियार चलाने और अन्य तकनीकी विषयों की जानकारी न दी जाए, लेकिन मुश्किल हालात का सामना करना सिखाया जाए। इन्हें बताया जाए कि मोबाइल फोन के बाहर भी एक दुनिया है। उसे देखने का खास नज़रिया पैदा किया जाए। भारत के सामने कौनसी चुनौतियां हैं? हमारे पास कौनसी शक्तियां हैं? हम बाधाओं पर विजय कैसे प्राप्त कर सकते हैं? युवाओं को इनकी जानकारी होना बहुत जरूरी है। कई अभिभावक शिकायत करते हैं कि उनके बच्चों को समय पर कोई चीज न मिले तो वे हंगामा खड़ा कर देते हैं। अगर मनपसंद सब्जी नहीं बनी तो खाना बीच में छोड़ देते हैं। ऑनलाइन ऑर्डर कर पिज्ज़ा, बर्गर आदि मंगवा लेते हैं। अगर किसी कारणवश एक-डेढ़ घंटे के लिए बिजली कटौती हो जाए तो वे पूरी व्यवस्था को कोसने लगते हैं। अगर सुरक्षा संबंधी कारणों से इंटरनेट बंद कर दिया जाए तो एक घंटा बिताना एक युग काटने जैसा लगता है। पिछले दिनों जब पश्चिमी एशिया में सैन्य संघर्ष के कारण देश के कुछ इलाकों में एलपीजी और पेट्रोल की किल्लत के बारे में अफवाह फैली तो वे घबरा गए थे! सोचिए, भविष्य में भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करे और उस दौरान इंटरनेट बंद कर दिया जाए, बिजली आपूर्ति सीमित कर दी जाए और ईंधन पहुंचाने में ज्यादा समय लगे तो नई पीढ़ी की कैसी प्रतिक्रिया होगी? हमें इन बच्चों को मजबूत और चरित्रवान बनाना है, ताकि ये हर तूफान का अटल होकर सामना कर सकें।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर और डीग ज़िलों के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से दिल से बात हुई। इस दौरान हमने विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में संगठन की भूमिका पर चर्चा की। मैंने आह्वान किया कि डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के आखिरी कोने तक पहुंचाएं।

भजनलाल शर्मा

लोकसभा में 'पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' का पास होना एक ऐतिहासिक फैसला है जो देश के करोड़ों युवाओं के सपनों, मेहनत और टैलेंट को मज़बूत सुरक्षा देता है।

-योगी आदित्यनाथ

भारत के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी हिम्मत और लगन और शानदार प्रदर्शन से इंटरनेशनल खेल मंच पर देश के गौरव की कहानी में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ा है।23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में, हरजिंदर कौर और गुलवीर सिंह ने सिल्वर मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रतिभा के कद्रदान

अपनी फिल्म 'तीसरी कसम' के निर्माण में गीतकार शैलेंद्र इस कदर व्यस्त हो गए कि उन्हें निर्माता-निर्देशक बिमल रॉय की कालजयी फिल्म 'बंदिनी' के लिए गीत लिखने का समय ही नहीं मिल पा रहा था। बिमल रॉय ने जब उनसे आग्रह किया कि मेरी फिल्म का एक गीत छोड़कर सभी गीत आप पहले ही लिख चुके हैं तो बकाया एक गीत को भी लिख डालिए तो शैलेंद्र एक दुबले-पतले सिख युवक को लेकर उनके पास गए और बोले कि आपकी फिल्म का बकाया गाना मेरे बदले यह युवक लिखेगा। बिमल रॉय द्वारा पूछने पर उस युवक ने बताया कि उसका नाम संपूर्णसिंह कालड़ा है और वह किसी गैराज में मोटर मैकेनिक है। युवक ने अपनी लिखी कुछ कविताएं भी उन्हें दिखाई। उसकी कविताओं और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर बिमल रॉय ने उसे फिल्म का बकाया एक गीत लिखने को कहा। शैलेंद्र और रॉय जैसे दिग्गजों की प्रेरणा पाकर उस युवक ने एक गीत 'मोरा गोरा अंग लई ले, मोहे श्याम रंग देई दे' लिखा। गीत इतना लोकप्रिय हुआ कि फिल्म 'बंदिनी' की पहचान ही बन गया। शैलेंद्र और बिमल रॉय की उम्मीदों पर खरा उतरने वाले उस सिख युवक को दुनिया आज गीतकार गुलज़ार के नाम से जानती है।

सामयिक

प्रेमचंद की सार्वकालिक प्रासंगिकता

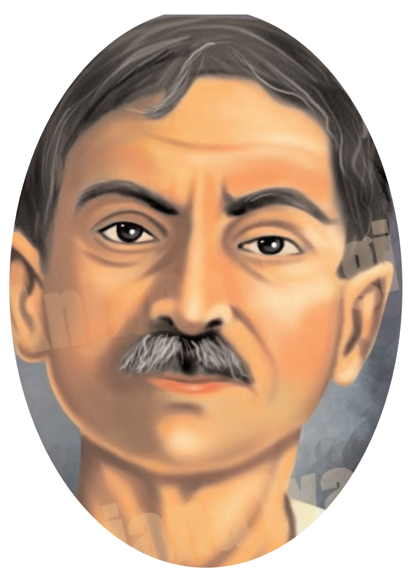

प्रेमचंद की कहानी हो या उपन्यास उसमें विधागत आवश्यक गुण-धर्म मौजूद होते हैं। पहली चीज है, स्पष्टता...उनके कथ्य और कथानक पूर्णतया पारदर्शी होते हैं, उनमें कोई झाम, धुंध या जटिलता नहीं रहती है। दूसरा गुण है प्रवाह, कथाक्रम सहज लयात्मक गति से आगे बढ़ता है। उनके पात्रों के क्रिया- कलाप तर्कपूर्ण होते हैं, मनोद्वन्द्व से गुजरने के बाद ही वह निर्णय तक पहुंचते हैं।

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

प्रेमचंद को गुजरे नब्बे साल हो चुके हैं। फिर भी उनके उपन्यास और कहानियों का जलवा बरकरार है। उनका पहला कहानी संग्रह 'सोजे वतन' (सन 1908) में संग्रहीत पाँच कहानियाँ- दुनिया का सबसे 'अनमोल रतन', 'शेख मखमूर', 'यही मेरा वतन है', 'शोक का पुरस्कार', 'सांसारिक प्रेम और देशप्रेम' विशुद्ध देश प्रेम की कहानियाँ हैं। इसे उन्होंने नवाब राय के नाम से लिखा था और इसकी भाषा उर्दू थी। इन कहानियों का विषय, चरित्र और भाव हमीरपुर के कलेक्टर को संदिग्ध प्रतीत हुआ। उनका मत था, यह कहानियाँ भारतीयों में बगावत और क्रांति की आग भड़का सकती हैं। इसलिए उन्होंने प्रेमचंद को तलब किया और उनके पास उपलब्ध सोजे वतन' की समस्त प्रतियां लेकर जलवा दीं, साथ ही भविष्य में उन्हें न लिखने की हिदायत दी।

इसके पूर्व नवाब राय उर्दू में 'असरार-ए-मआबिद' (सन 1903) और हमखुर्मा हमसवाब' (सन 1907) दो उपन्यास लिखकर अपनी एक पहचान बना चुके थे। कलेक्टर साहब की हिदायत के बाद उन्होंने मुंशी दयानारायण निगम की सलाह पर अपना नाम बदलकर प्रेमचंद' रख लिया और हिन्दी में सामाजिक विषयों पर लिखने लगे। ग्रामीण जीवन और किसान समस्या, स्त्री विमर्श, सामाजिक बुराइयाँ और छुआछूत, धार्मिक पाखंड, जाति-व्यवस्था का दंश, जमींदारों के शोषण, मजदूरों की समस्या, बेगार, कर्ज में डूबी जिन्दगियों पर उन्होंने कई यादगार कहानियाँ लिखीं। मानवीय संवेदना और बाल मनोविज्ञान को केंद्र में रखकर लिखी गई ईदगाह', सच्चाई और लोक आदर्श को सामने लाने वाली पंच परमेस्वर', गरीबी और कर्ज में डूबे किसान की दुर्दशा बयान करती 'पूस की रात' जैसी कहानियाँ 'एक क्लासिक' का दर्जा रखती हैं। उनके लेखन का कालखण्ड स्वतंत्रता आन्दोलन के उत्तेजना भरे गर्मागर्म दिन थे। अपने लेखन में वह इसकी उपेक्षा कैसे कर सकते थे? 'शराब की दुकान', 'सोहाग की साड़ी', 'जुलूस' स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ी बेजोड़ कहानियाँ हैं। उनके उपन्यास 'कर्मभूमि' में तत्कालीन राजनीतिक परिदृश्य की विविध जीवंत छवियाँ हैं।

प्रेमचन्द का लेखन जिन विषयों पर था, आज की तारीख में वह कालातीत चुके हैं। समय कहाँ से कहाँ पहुँच गया है, यह बताने की बात नहीं है। गुलामी कब की जा चुकी है। हम आजादी की फिजा में सांस ले रहे हैं। पहले जैसी जाति व्यवस्था की जकड़न नहीं है। किसान और मजदूर की समस्याएं हैं तो उनका रूप बदल चुका है। नारी उत्पीड़न खत्म तो नहीं हुआ है, लेकिन अब वह पहले जैसी दब्बू और कमजोर नहीं है। बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ती 'नारीशक्ति' में बदल चुकी है। महाजनी शोषण और जमींदारों का उत्पीड़न सिर्फ किताबों में बचा है। ठाकुर का कुंआ' की गंगी आज चोरी-छिपे एक घड़ा पानी के लिए नहीं तरस रही है। लोग कानून के राज में जीवन यापन कर रहे हैं। फिर भी प्रेमचन्द के उपन्यास और कहानियां पढ़ी जा रही हैं। एक रीडरशिप सर्वे में तो यहाँ तक बताया गया था कि हिन्दी में 'गीता प्रेस' की धार्मिक सांस्कृतिक पुस्तकों के बाद सर्वाधिक बिक्री प्रेमचन्द साहित्य' की होती है। गोदान' आज भी हिन्दी के सर्वाधिक बिकने वाले उपन्यासों में एक है। जबकि आज बेलारी और सेमरी जैसे गाँव तथा होरी, धनिया, गोबर, दातादीन जैसे ग्रामीण खोजने पर भी नहीं मिलेंगे। इसके बाद भी अगर 'प्रेमचंद साहित्य' की धार बरकरार है, तो इसके पीछे कोई कारण तो होगा ही...!

पिछले दिनों प्रेमचन्द की राजनीतिक कहानियों का एक संग्रह हाथ लगा। इसमें पहली कहानी समर यात्रा' थी। मैं पढ़ने लगा, गाँव में हलचल मची थी। आज महात्मा जी का जत्था यानी स्वराजियों का दल आने वाला था, कोदई चौधरी के दरवाजे पर शामियाना लगा है। आटा, घी, तरकारी, दूध, दही जमा हो रहा है। सब के चेहरे पर उमंग, हौसला और आनन्द है। कितना बड़ा दिन था, गाँव की झोपड़ियाँ भी हँसती हुई मालूम हो रही थीं। मगर नोहरी दुखी थी, पचहत्तर साल की बूढ़ी सिकुड़ी आँखों से सारा सरंजाम देख-देखकर पछता रही थी। उसके पास क्या है, जिसे लेकर कोदई के दरवाजे पर जाये...

नोहरी ने अच्छे दिन भी देखे थे। अगर भगवान ने इतना बेबस न कर दिया होता तो आज झोंपड़े को लीपती, दरवाजे पर बाजा बजवाती, कढ़ाव चढ़वाती, पूड़ियाँ बनवाती और जब वो लोग खा चुकते तो अंजुरी भर रुपया उनको नजर कर देती...इसी समय कोदई ने आकर कहा- भाबी...तुम्हें भी कुछ देना है?' नोहरी ने चौधरी को लताड़ भरी आँखों से देखा। बेरहम मुझे जलाने आया है, नीचा दिखाना चाहता है। जैसे आसमान पर चढ़कर बोली- 'मुझे जो देना है, वो उन्हीं को दूँगी...' कोदई से कुछ मसखरी भरी नोंक-झोंक... तंज...तभी शोर मचा, जत्था आ गया। गाँव के सब औरत-मर्द काम छोड़कर उनका इस्तकबाल करने चले, एक पल में तिरंगा हवा में लहराता दिखा, जैसे स्वराज ऊँचे आसन पर बैठा सबको आशीर्वाद दे रहा हो...। औरतें खुशी के गीत गाने लगीं... बच्चे उछल रहे थे। आदमी अपने अँगौछों से सत्याग्रहियों को हवा कर रहे थे। नोहरी अपनी लठिया पकड़े सबके पीछे खड़ी थी। चेहरे पर फख्र की ऐसी झलक थी, जैसे वो कोई रानी है। जैसे ये सारा गाँव उसका है, ये सभी जवान उसके बच्चे हैं, अपने दिल में उसने ऐसी ताकत, ऐसी उछाल, ऐसी बुलन्दी कभी पहले महसूस नहीं की थी...अचानक उसने लाठी फेंक दी और भीड़ को चीरती जत्थे के सामने आ खड़ी हुई। लाठी के साथ उसने बुढ़ापे और दुख के बोझ को भी फेंक दिया था। एक पल वह अकीदत मंदाना आँखों से आजादी के सिपाहियों की तरफ ताकती रही... फिर वो नाचने लगी, खुशी के नशे में मस्त होकर... ना जाने कहाँ से इतना चुलबुलापन, इतनी लचक, इतनी फुर्ती उसमें आ गई थी...।

इसके बाद कहानी आँखों के सामने हू ब हू घटने लगती है... कोदई के दरवाजे पर मसालें जल रही हैं। सत्याग्रही भोजन कर चुके हैं। कई गाँव के लोग जुटे हैं, सभा हो रही है... तभी शोर उठा-पुलिस आ गयी...लोग छिपने लगे...दरोगा कोदई से पूछता है- क्यों रे कोदइया, तूने इन बदमाशों को क्यों ठहराया यहाँ?'... नोहरी बोली-क्या लाल पगड़ी बांधकर तुम्हारी जीभ ऐंठ गई है? कोदई तुम्हारे गुलाम हैं कि कोदइया-कोदइया कर रहे हो?...जो नोहरी थोड़ी देर पहले मुरझाई सी बूढ़ी कमजोर औरत थी, अब दोपहर की धूप जैसी तमतमा उठी थी... अब गाँव में जुटी भीड़ नोहरी के इशारों से संचालित हो रही थी। सिपाही कोदई को ले जाने लगे तो आवेशित भीड़ ने उन्हें में घेर लिया। सत्याग्रहियों के लीडर के बीच-बचाव से दरोगा उसे ले जा पाए। कोदई का बेटा गंगा, गाँव का सेवाराम, भजन सिंह, चौकीदार घूरे, जमींदार का लठैत काले खां सब नोहरी की रजामंदी से सत्याग्रहियों के दल में भर्ती हो गए, यहाँ तक कि नोहरी खुद भी...ऐसा लग रहा था कि सबको स्वराज मिल गया था। वास्तव में स्वराज चित्त की वृत्ति मात्र है। ज्यों ही पराधीनता का आतंक दिल से निकल गया, आपको स्वराज मिल गया। भय ही पराधीनता है, निर्भयता स्वराज है। समर यात्रा' का पाठ इस सत्य का साक्षात्कार कराता है।

प्रेमचंद की कहानी हो या उपन्यास उसमें विधागत आवश्यक गुण-धर्म मौजूद होते हैं। पहली चीज है, स्पष्टता...उनके कथ्य और कथानक पूर्णतया पारदर्शी होते हैं, उनमें कोई झाम, धुंध या जटिलता नहीं रहती है। दूसरा गुण है प्रवाह, कथाक्रम सहज लयात्मक गति से आगे बढ़ता है। उनके पात्रों के क्रिया- कलाप तर्कपूर्ण होते हैं, मनोद्वन्द्व से गुजरने के बाद ही वह निर्णय तक पहुंचते हैं। कहानी हो या उपन्यास, इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण विंदु होता है-अन्त ! कहना गलत न होगा कि प्रेमचंद अपनी रचनाओं की समाप्ति अत्यंत सुसंगत स्थिति में करते हैं। उनके कथा पात्र मानव मन के अनेक भावों- दृश्यों, चेतना के अनेक छोरों, सामाजिक कुरीतियों तथा आर्थिक उत्पीड़न के विविध आयामों को पूरी कलात्मकता के साथ अनावृत करते हैं।

अपनी अन्विति के स्तर पर प्रेमचंद साहित्य' पाठक को आज से पीछे अपने रचनाकाल के दिनों में ले जाकर खड़ा कर देता है। यानी कहानी या उपन्यास खत्म हो जाता है, किन्तु दशकों पीछे खड़े पाठक के सामने समय की गति थमती नहीं, बल्कि आज की स्थितियों के साथ अन्तरीकरण की दिशा में चलती रहती है। मूलतः यही है, प्रेमचन्द और उनके साहित्य की सार्वकालिकता का रहस्य...!

नजरिया

आध्यात्म प्रकृति और उत्सव का संगम है सावन का महीना

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 941444121

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन का महीना श्रावण मास के नाम से जाना जाता है। यह महीना भारतीय संस्कृति में अत्यंत पावन, पवित्र और धार्मिक आस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मानसून की फुहारों के साथ यह महीना न केवल प्रकृति को नवजीवन देता है अपितु जन साधारण को आनंदित भी करता है। भक्ति, शक्ति प्रेम, प्रकृति, त्याग, आशीर्वाद और परंपराओं का संगम सावन का महीना 30 जुलाई से शुरू हो गया है जिसका समापन 28 अगस्त को होगा। देश में सावन के महीने को एक त्योहार की तरह मनाया जाता है और इस परंपरा को लोग वर्षों से निभाते चले आ रहे हैं। सावन एक ऐसा पवित्र महीना है, जिसमें संसार बारिश, हरियाली, और भक्ति की पावनता की अनुभूति करता है। सावन के पवित्र महीने में प्रकृति का सौंदर्य और अधिक निखर कर आता है। सावन का महीना प्रकृति का उत्सव है। बारिश की बूंदें धरती को सींचती हैं और नई जान डालती हैं। सावन का महीना जहां भक्ति और उत्सव के लिए जाना जाता है, वहीं यह महीना अपनी हरियाली, ठंडी हवाओं और झीलों में खिलते कमल के फूलों के लिए भी जाना जाता है। इस महीने में प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम स्तर पर होता है। सावन में प्रकृति अपने चरम पर होती है। हरियाली चारों ओर फैली होती है और बारिश की बूंदें मन को सुकून देती हैं। सावन में शिवालयों में विशेष भीड़ होती है। भक्तजन जलाभिषेक, व्रत और पूजा-पाठ में लीन रहते हैं। इस महीने में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लोकगीत, नृत्य और अन्य कलाओं का प्रदर्शन होता है। सावन का महीना मन को शांत और प्रसन्न करता है। लोगों में एक अलग ही उत्साह और आस्था का संचार होता है।

सावन का महीना भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह बारिश की झड़ी के साथ प्रकृति की गोद में झूलने, भक्ति में डूबने और मन की शांति पाने का समय होता है। सावन आते ही

सावन सोमवार में शिवलिंग का जलाभिषेक,बेलपत्र और भोलेनाथ की पूजा करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। सावन मास में बारिश के आगमन से धरती का कोना-कोना हरा-भरा होकर खिल उठता है। इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है मानो प्रकृति ने फिर से जन्म लिया हो, और सृष्टि का फिर से निर्माण हो रहा हो, पूरा वातावरण झूमने लगता है, प्रकृति फिर से सुंदर हो जाती है, सब को लुभाने लगती है।

वातावरण तो हरा-भरा हो ही जाता है साथ ही मन भी खुशनुमा रहता है। भीषण गर्मी से राहत देने के साथ ही मानसून चारों तरफ हरियाली लाकर लोगों की आंखों को भी सुकून देता है। सावन महीने से वर्षा ऋतु की शुरूआत होती है जिस वजह से चारों तरफ हरियाली छा जाती है। मैदान से लेकर पहाड़ तक हरियाली की चादर ओढ़ लेते हैं। प्रकृति के सौंदर्य का यह नजारा वाकई अद्भुत होता है। सावन का महीना खुद को प्रकृति से जोड़ने का महीना होता है। इसलिए लोग हरा रंग पहन कर अपने आप को प्रकृति से जोड़ते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन आने पर हर तरफ हरियाली छा जाती है। जो ना सिर्फ आंखों को खुश करती है बल्कि आपके मन को भी शांति प्रदान करती है। सावन माह कई दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह व्रत और त्योहारों का माह तो है ही साथ ही लोगों को गर्मी के कहर से राहत देता है। झमाझम बरसात के लिए लोग लंबे समय तक इंतजार करते हैं। इस सुहाने मौसम में खुश होकर कई त्योहार मनाते हैं। सावन के महीने में बहुत बरसात होती है जिससे मौसम सुहावना हो जाता है। देश के हर राज्य में बारिश हो चुकी है।

किसानों के लिए यह माह वरदान के सामान है। लोग ऐसे ही वक्त पर अपने परिवार के साथ बाहर घूमते हैं और सावन के खुशनुमा मौसम का आनंद लेते हैं। सावन के महीने में हर तरफ हरियाली छा जाती है और मौसम ठंडा हो जाता है। सावन के महीने में वायु की गुणवत्ता भी बढ़ जाती है। सुहाने मौसम के साथ सावन मास का आना सब दृष्टियों से मन को लुभाने वाला था।

भारत त्योहारों और पर्वों का देश है। यहाँ हर महीने रंगीले त्योहार मनाये जाते है मगर सावन माह इनमें अलग और अनूठा है। भगवान शिव की पूजा-आराधना और मनोकामना की पूर्ति के लिए सावन का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। भीषण गर्मी के बाद सावन का महीना तन मन को हर्षित करता है। सावन के महीने में चारों तरफ हरियाली रहती है। सावन सोमवार में शिवलिंग का जलाभिषेक,बेलपत्र और भोलेनाथ की पूजा करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। सावन मास में बारिश के आगमन से धरती का कोना-कोना हरा-भरा होकर खिल उठता है। इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है मानो प्रकृति ने फिर से जन्म लिया हो, और सृष्टि का फिर से निर्माण हो रहा हो, पूरा वातावरण झूमने लगता है, प्रकृति फिर से सुंदर हो जाती है, सब को लुभाने लगती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोने के बदले कर्ज का आकार मार्च, 2028 तक 30 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्जदाताओं में सोने के बदले कर्ज (गोल्ड लोन) देने की दिलचस्पी बढ़ने से इस तरह के ऋण का कुल आकार मार्च, 2028 तक बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो मार्च, 2026 में 18 लाख करोड़ रुपये था। इक्रा ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा रेटिंग्स ने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) इस क्षेत्र में बैंकों से तेज वृद्धि दर्ज करती रहेंगी। वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक कुल बकाया पोर्टफोलियो में एनबीएफसी की हिस्सेदारी बढ़कर 23 प्रतिशत हो सकती है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 22 प्रतिशत थी।

एजेंसी ने कहा कि 2026-27 से 2027-28 के दौरान एनबीएफसी के गोल्ड लोन कारोबार में सालाना 35 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि बैंकों के लिए यह दर करीब 30 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि, प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उनकी आय पर कुछ दबाव पड़ सकता है। पिछले दो वित्त वर्षों (मार्च 2026 तक) में गोल्ड लोन में औसतन 38 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें बैंकों की वृद्धि 35 प्रतिशत और एनबीएफसी की 54 प्रतिशत रही।

इक्रा रेटिंग्स के क्षेत्र प्रमुख आर. श्रीनिवासन ने कहा, नई फर्मों और बड़ी एनबीएफसी कंपनियों के इस खंड में कदम रखने और शाखा नेटवर्क के विस्तार की योजनाएं, इस क्षेत्र में मजबूत वृद्धि का समर्थन कर रही हैं। बिना गारंटी वाले कर्ज में हाल के दबाव के बीच भी गोल्ड लोन की मांग बनी हुई है।

रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, वृद्धि का मुख्य कारण खुदरा गोल्ड लोन है, जिसे एनबीएफसी आमतौर पर उपभोग और छोटे व्यवसाय के लिए देते हैं। मार्च, 2026 तक एनबीएफसी की गोल्ड लोन प्रबंधनाधीन संपत्तियां (एयूएम) करीब चार लाख करोड़ रुपये थीं। बैंकों में भी खुदरा गोल्ड लोन में तेज बढ़ोतरी देखी गई, जबकि कृषि और अन्य उपयोग के लिए दिए जाने वाले गोल्ड लोन में करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एजेंसी ने कहा कि कुछ वृद्धि ऋणों के पुनर्वर्गीकरण और नई मांग दोनों के कारण हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में सोने की ऊंची कीमतों के कारण कर्ज का आकार बढ़ रहा है, जबकि गिरवी रखे गए सोने की मात्रा में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान बड़े कर्जदाताओं के ऋण में 24 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले गिरवी सोने की मात्रा केवल तीन-चार प्रतिशत ही बढ़ी।

जश्न

प्कोरियाई युद्ध के युद्धविराम की 73वीं वर्षगांठ के जश्न में भाग लेने वाले युद्ध दिग्गजों के साथ फोटो सत्र में शामिल होने के दौरान उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन (बीच में) उनका अभिवादन स्वीकार करते हुए।

थाईलैंड में तीन पर्यटकों के अपहरण के आरोप में पांच भारतीय गिरफ्तार

बैंकॉक/भाषा। थाईलैंड में पांच भारतीय नागरिकों को अपने ही देश के तीन लोगों का अपहरण करने और उनकी रिहाई के लिए फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 'बैंकॉक पोस्ट' ने पुलिस के हवाले से अपनी खबर में कहा कि पांचों आरोपियों को मंगलवार को बैंकॉक के क्लोंग तान इलाके के एक होटल से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे विदेश भागने की फिराक में थे। खबर के अनुसार संदिग्धों की पहचान अवतार सिंह, जगजीत सिंह , रामबालक कुमार , सुखबीर सिंह और कुलरा सिंह के रूप में की गई है। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी नागरिक ने तीन भारतीय पुरुषों (सभी पर्यटक) का अपहरण करने का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि वे उस पाकिस्तानी नागरिक को पिछले एक महीने से एक 'चैट एप्लिकेशन' के माध्यम से जानते थे। खबर के अनुसार माना जा रहा है कि इस कथित षडयंत्रकर्ता का ठिकाना दुबई में है ।

चोट से उबरने के बाद फिर जिम में वापस लौटीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस रकुल प्रीत एक बार फिर से जिम में वापस आ गई हैं, और खुद को एक नए रूप में ढाल रही हैं। एक्ट्रेस ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपने जिम सेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। चोट से उबरने के बाद एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने जिम में प्रवेश किया और बताया कि इस चोट ने उन्हें सिखाया कि ठीक होने में समय लगता है और इसमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने चोट के बाद की स्थिति पर विचार व्यक्त किया और बताया कि वह एक नई शुरुआत की ओर देख रही हैं। उन्होंने लिखा, हर सफर में एक ऐसा अध्याय होता है जिसके लिए कोई प्लान नहीं करता है। मेरे साथ ऐसा ही एक अध्याय हुआ, एक चोट के रूप में। एक पल में हर दिन मजबूत होने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अगले ही पल मुझे पूरी तरह से रुकना पड़ा। सिर्फ दर्द ही मुश्किल नहीं था, बल्कि उस खामोशी से भी जूझना पड़ा जो मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुकी चीज से दूर होने पर आई थी।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिम सिर्फ एक ऐसी जगह नहीं थी, जहां मैंने खुद को ट्रेंड किया, बल्कि यह वह जगह थी, जहां मैंने अनुशासन सीखा, अपने दिमाग को शांत किया और हर दिन खुद को याद दिलाया कि विकास निरंतरता से ही होता है। सबसे मुश्किल बात मेरी प्रगति का रुकना नहीं था। सबसे मुश्किल यह स्वीकार करना था कि ठीक होने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती। हर दिन में वापस जाना चाहती थी, लेकिन मेरा शरीर मुझे याद दिलाता रहा कि ठीक होने की अपनी एक समयसीमा होती है। निराशा के पल भी आए, संदेह के पल भी आए और ऐसे पल भी आए जब मैंने सोचा कि मैं कितना कुछ खो दूंगी, लेकिन धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि कभी-कभी जीवन आपको रोकना नहीं चाहता। कभी-कभी यह आपको एक अलग नजरिए के साथ वापस आने के लिए तैयार कर रहा होता है।

अभिनेत्री ने बताया कि हेल्थ रिकवरी ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए जो कोई भी व्यायाम कभी नहीं सिखा सकता था। इसने उन्हें

परिणाम पाने के लिए धैर्य रखना सिखाया।

उन्होंने बताया, इसने मुझे उन पलों के लिए कृतज्ञता का भाव सिखाया, जिन्हें मैं पहले हल्के में लेती थी। इसने मुझे याद दिलाया कि ताकत हमेशा दिखावटी नहीं होती। कभी-कभी ताकत तब होती है जब मन और ज्यादा मेहनत करने को कहता है और आप आराम करने का चुनाव करते हैं। कभी-कभी ताकत तब होती है जब आप खुद पर भरोसा रखते हैं, भले ही आपको तुरंत कोई प्रगति नजर न आए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने खोई हुई चीजों पर ध्यान देना बंद कर दिया और जो कुछ मेरे पास बचा था, उसकी सराहना करने लगी। मेरा लक्ष्य फिर से स्वस्थ होना, जोकि हो गया। हर छोटा सुधार एक जीत बन गया।

उन्होंने आगे कहा, हर छोटा-सा कदम मुझे याद दिलाता रहा कि प्रगति कभी भी पूरी तरह खत्म नहीं होती। जीवन के अलग-अलग पड़ावों में इसका रूप बदल जाता है। आज जिम में वापस आना एक लंबी यात्रा के बाद घर लौटने जैसा लगता है। सब कुछ जाना-पहचाना सा लगता है, फिर भी मैं जानती हूं कि मैं वो इंसान नहीं हूं, जो डेढ़ साल पहले जिम से निकली थी। मैं नए अनुभव, नए सबक और दोबारा ट्रेनिंग करने के हर मौके के लिए एक नई सराहना लेकर आई हूं। यह वहीं से शुरू करने की बात नहीं है, जहां मैंने छोड़ा था। यह एक मजबूत मानसिकता के साथ फिर से शुरुआत करने की बात है। मैं चोट से पहले वाले अपने स्वरूप को पाने की कोशिश नहीं कर रही हूं। वो अध्याय अब खत्म हो चुका है।

सुभाष घई ने ओशो को बताया जीवन बदलने वाला गुरु

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म जगत के जाने-माने निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने आध्यात्मिक गुरु ओशो को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके जीवन में आध्यात्मिक गुरु ओशो का बहुत बड़ा प्रभाव रहा है। उनकी शिक्षाओं ने उन्हें खुद को समझने, जीवन को बेहतर तरीके से देखने और अंदर से मजबूत बनने में मदद की। सुभाष घई ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह ओशो यानी आचार्य रजनीश की तस्वीर वाले एक प्रचार सामग्री के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने बताया कि किस तरह ओशो की विचारधारा ने उनके जीवन को प्रभावित किया। सुभाष घई ने अपने पोस्ट में लिखा, ''मुझे गुरु की कीमत समझने में 50 साल लग गए। 1975 में मैंने ओशो को पढ़ा, जिन्होंने आज तक मुझे अपने बारे में, लोगों के बारे में और अंतिम सत्य के बारे में लगातार ज्ञान दिया। उन्होंने मुझे अपने अंदर की शक्ति को पहचानने और हर स्तर पर आगे बढ़ने की ताकत दी।''सुभाष घई ने आगे ओशो के प्रति अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए लिखा, ''मैं इस महान गुरु ओशो के प्रति अपनी कृतज्ञता कैसे व्यक्त करूं, जिन्होंने मुझे आज तक एक खुशहाल और शांतिपूर्ण जीवन दिया। धन्यवाद कहना भी बहुत छोटा शब्द है।''बता दें कि ओशो मूवमेंट की शुरुआत 1970 के दशक में हुई थी, जो आगे चलकर पूरी दुनिया में एक आध्यात्मिक मूवमेंट के रूप में पहचाना जाने लगा। इस आंदोलन में ध्यान, आत्म-जागरूकता, मानसिक शांति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता जैसे विषयों पर जोर दिया गया।

उत्सव

सिकंदराबाद में को वार्षिक आषाढ़ लश्कर बोनालू उत्सव की आधिकारिक शुरुआत के अवसर पर देवी महाकाली को पहली बोनम भेंट के दौरान एक ट्रांसजेंडर श्रद्धालु सिर पर सजाया हुआ बोनम ले जाते हुए।

भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती : सीरत कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है। जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है। सीरत कपूर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मेरे करियर को एक मजबूत आधार दिया। अलग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।'' अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे काम से मिलने वाला सम्मान लंबे समय तक बना रहता है।'' सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है।हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था।

जेरी के बिहारी लहजे को परफेक्ट बनाने के लिए जाह्नवी कपूर ने की थी खास तैयारी

मुंबई/एजेन्सी

गुड लक जेरी के चार साल पूरे होने पर आइए जानते हैं जाह्नवी कपूर की दमदार परफॉर्मेंस से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा। फिल्म में बिहार की एक साधारण युवती जेरी के किरदार को पूरी प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए जाह्नवी ने बिहारी लहजे पर काफी गहराई से मेहनत की थी।उन्होंने अपनी बिहारी भाषा को परफेक्ट बनाने के लिए न सिर्फ लैंग्वेज एक्सपर्ट्स की मदद ली थी, बल्कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले कई वर्कशॉप्स में भी हिस्सा लिया था, जिससे वे अपने बिहारी उच्चारण और बोलने के अंदाज़ को निखार सकें। हालांकि यदि आपने यह फिल्म देखी होगी, तो उनकी यह मेहनत आपको फिल्म के हर संवाद में साफ़ दिखाई दी होगी।सिर्फ यही नहीं, जाह्नवी ने जेरी की मासूमियत, संघर्ष और जज़्बे को भी बेहद सहजता के साथ पर्दे पर उतारा था, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया।

यही वजह है कि 29 जुलाई 2022 को रिलीज़ हुई इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा था। हालांकि गुड लक जेरी को रिलीज़ हुए आज चार साल हो चुके हैं, ऐसे में चार साल बाद भी इस फिल्म में निभाया गया जाह्नवी कपूर का जेरी किरदार सबसे यादगार और अलग किरदारों में गिनी जाती है। यह फिल्म एक बार फिर साबित करती है कि किसी चुनौतीपूर्ण भूमिका में पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कितनी लगन और समर्पण के साथ तैयारी की थी।

'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंचे सनी देओल

जयपुर/एजेन्सी

इस साल की सबसे सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल बंटवारा 1947 का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। यह बहुचर्चित ऐतिहासिक ड्रामा 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल अपने बेटे करण देओल और निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ हवामहल पहुंचे। आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म बंटवारा 1947 इस वक्त इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के दमदार पोस्टर्स और अब तक आए दो शानदार टीजर इसकी इमोशनल कहानी की झलक दिखा चुके हैं। भारत के बंटवारे जैसे दर्दनाक दौर पर बनी यह फिल्म प्यार, त्याग

और हिम्मत की एक दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रही है। 28 जुलाई को रिलीज हुए बंटवारा 1947 के दमदार ट्रेलर ने फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। ट्रेलर को बेहद अच्छे मिल रहे रिस्पॉन्स के बीच अब फिल्म की टीम प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंच गई है। रिलीज से पहले बंटवारा 1947 को लेकर माहौल लगातार गर्म होता नजर आ रहा है।

बंटवारा 1947 एक ऐसी इमोशनल कहानी लेकर आ रही है, जो भारत के बंटवारे के दर्द और उससे जुड़े इंसानी जज्बातों को करीब से दिखाएगी। फिल्म मुश्किल हालात में भी प्यार, हिम्मत, त्याग और कभी हार न मानने वाले जज्बे की कहानी कहेगी।

फिल्म में शबाना आज़मी, सनी देओल, प्रीति जी जिंटा, करण देओल, अली फज़ल और अभिमन्यु सिंह जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। खास बात यह है कि करीब 30 साल बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की सुपरहिट जोड़ी फिर से साथ आ रही है।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है, जबकि इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म को आमिर खान और अपरणा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। बंटवारा 1947 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है : कंगना

मुंबई/एजेन्सी

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने एक बार फिर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कंगना ने प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक रूप से कुछ बोलता है तो उसे सुनने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने अपने पोस्ट में प्रदर्शनकारियों के व्यवहार, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे मुद्दों का जिक्र किया। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, ''सड़कों पर जिन प्रदर्शनकारियों को आम जनता पीट रही है और जिन्हें गालियां पड़ रही हैं, यह उनकी अपनी गंदी और अभद्र रील्स की वजह से है। उन्हें यह समझना होगा कि जब आप बोलते हो, तो सुनना भी पड़ेगा।'' कंगना ने लिखा, ''अगर आप सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं, तो

वही जनता आपको भी नुकसान पहुंचाएगी। अगर आपको देश और सरकार से परेशानी है और आपने सार्वजनिक रूप से खूब गंदी-गंदी गालियां दी हैं, तो अब उन लोगों की भी सुनिए जो इस देश से प्यार करते हैं और वोट की ताकत से इस सरकार को चुनकर लाए हैं, क्योंकि बोलने का हक उनका भी है।''

कंगना ने अपने पोस्ट में कहा, ''अब रोने वाली कोई बात नहीं है। हर क्रिया की एक बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। अगर अब तक पढ़ाई करके 'कारण और प्रभाव' समझ नहीं आया है, तो अब आ जाएगा... और बहुत अच्छे से समझ आ जाएगा।''

दरअसल, यह पूरा मामला छात्र आंदोलन और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो से जुड़ा हुआ है। कुछ दिनों से कंगना रनौत इस आंदोलन को लेकर अपनी राय सोशल मीडिया पर लगातार साझा कर रही हैं।

इससे पहले भी उन्होंने प्रदर्शनकारियों की भाषा और तरीके पर सवाल उठाए थे। कंगना ने कुछ पोस्ट में प्रदर्शनकारियों के वीडियो और उनके बोलने के अंदाज पर नाराजगी जताते हुए उन्हें 'जेनरेशन गटर' तक कह दिया था।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, 'मैंने पूरी जिंदगी कभी इतनी बदसूरती एक साथ नहीं देखी। जेन जी के विरोध-प्रदर्शनों की ये वीडियोज देखकर घिन आती है। इन लोगों के बोलने का तरीका और जिस भाषा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हर वीडियो परेशान करने वाला है। आखिर इन्हें जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है?'

विप्र फाउंडेशन जोन 17 का चौथा चैप्टर केरल के त्रिसूर में गठित

त्रिसूर/दक्षिण भारत। विप्र फाउंडेशन जोन 17 का चौथा चैप्टर त्रिसूर में गठित किया गया। यहां आयोजित बैठक में दक्षिण क्षेत्रीय महामंत्री भगवान व्यास ने कहा कि राजस्थान हरियाणा मूल की 24 उपजातियों को जोड़ कर विप्र फाउंडेशन की स्थापना हुई, आज भारत के अलावा विदेशों में भी विप्र फाउंडेशन की शाखाएँ हैं। गांव गांव में ब्राह्मण समाज के लोग विप्र फाउंडेशन से जुड़ रहे हैं। व्यास ने संगठन के कार्यकर्मों, प्रकल्पों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी।

15 अगस्त तक अधिक से अधिक सदस्य बना कर सूची भेजने को कहा गया। जोन के अध्यक्ष दिनेश सिंह राजपुरोहित ने कहा कि वे त्रिसूर के आस पास के शहरों में रहने वाले ब्राह्मणों को जोड़ने का प्रयास करेंगे। त्रिसूर शहर के विप्र बंधुओं की मौजूदगी में सर्वसम्मिति से कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष उमेद सिंह राजपुरोहित, महामंत्री शिवरतन पारीक, कोषाध्यक्ष चेतन सिंह राजपुरोहित को मनोनीत किया गया। जोन गवर्निंग बोर्ड में कांतिलाल राजपुरोहित को मनोनीत किया गया।शिवरतन पारीक के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत बैठक समाप्त हुई।

जयगोपाल गारोडिया विवेकानंद विद्यालय में मनाया गया 'भारतीय भाषा उत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के जयगोपाल गारोडिया विवेकानंद विद्यालय के परिसर में शनिवार को 'भारतीय भाषा उत्सव' मनाया गया जिसमें तमिलनाडु की समृद्ध भाषाई, खान-पान और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के पारंपरिक भोजन (परंपरीय उनावुगल), औषधीय भोजन (मरुथुवा उनावुगल), स्थानीय सब्जियां (नाट्टू कैकरिगल) और पारंपरिक नाश्ते व दोपहर के भोजन (कालई परंपरीय उनावु और मध्य उनावु) की रंग-बिरंगी प्रदर्शनी लगाई गई। छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ इन खाद्य पदार्थों के महत्व, पोषण मूल्य, पारंपरिक उपयोग और सांस्कृतिक अहमियत को प्रदर्शित किया और उनके बारे में जानकारी दी। इस पहल ने छात्रों को तमिलनाडु की समृद्ध भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को जानने और सराहने का मौका दिया, साथ ही पीढ़ियों से चली आ रही समझ और ज्ञान से सीखने का अवसर भी प्रदान किया।

गणगौर की 36 महिला सदस्याओं ने कराया नि:शुल्क मास्टर हेल्थ चैक-अप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के राजस्थानी एसोसिएशन चेन्नई की लेडीज विंग 'गणगौर' के तत्वावधान में गणगौर की महिला सदस्याओं के लिए आरवाईए मद्रास कॉस्मो फाउंडेशन हॉस्पिटल में नि:शुल्क मास्टर हेल्थ चेक-अप शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ गणगौर की 36 महिला सदस्याओं ने लिया।

सभी ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण कराकर अपने स्वास्थ्य की व्यापक जांच करवाई। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय-समय पर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर गणगौर की पदाधिकारीगण, आरवाईए कॉस्मो फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी विकास ललवानी तथा एसोसिएशन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राजपुरोहित समाज ट्रस्ट द्वारा गुरु पूर्णिमा पर अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

चेन्नई। शहर के खेतेश्वर भवन राजपुरोहित समाज ट्रस्ट द्वारा गुरु पूर्णिमा के मौके पर अन्नदान महोत्सव आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। ओंकार सिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रत्येक पूर्णिमा को नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

मन की शांति की चाबी सदैव अपने पास रखें : समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित जीवन संजीवनी चातुर्मास के अंतर्गत बुधवार को नई दिशा-नया जीवन' विषय पर डॉ. समकित मुनिजी ने अपने प्रवचन में स्वार्थ, कर्म सिद्धांत, क्षमा, आत्मपरिवर्तन एवं संस्कारपूर्ण जीवन के महत्व पर विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का शुभारंभ जयवंत मुनिजी के मधुर भजन से हुआ। समकितमुनिजी ने कर्म सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन में कोई भी कार्य करने से पहले रुको, देखो और फिर आगे बढ़ो।

सदैव यह विचार करें कि हमारे कार्यों का परिवार, समाज और स्वयं के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। आज व्यक्ति अपने छोटे-छोटे स्वार्थों और लाभ के लिए गलत मार्ग अपनाकर दूसरों को कष्ट पहुँचाता है। उन्होंने कहा कि अपनी मुसीबतों की माला दूसरों के गले में डालना बंद करें।

एक छोटा सा झूठ, एक छोटी बेइमानी अथवा एक गलत निर्णय भी पूरे जीवन को बर्बाद कर सकता है। संतश्री ने कहा कि अपनी गलती की सजा कभी दूसरों को नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मन की शांति की चाबी सदैव अपने पास रखें।

समाज की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुनिश्री ने कहा कि आज स्वार्थ की ऐसी आंधी चल रही है कि हर रिश्ता खतरे में पड़ गया है। लोग छोटी-छोटी बातों पर संवाद बंद कर देते हैं, लेकिन बातचीत बंद करने से रिश्ते समाप्त नहीं होते। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि दुश्मनी और वैरभाव को अगले जन्म तक साथ लेकर न जाएँ।

नफरत के सहारे जीवन नहीं जिया जा सकता। अहंकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि संस्कारी और खानदानी लोगों का स्वभाव सदैव विनम्र होता है। यदि व्यवहार में अकड़ है तो वह स्वयं बता देती है कि संपत्ति नई है, संस्कार नहीं। संतश्री ने सभी श्रद्धालुओं से कहा कि दिन के 24 घंटों में से कम से कम एक घंटा अपनी आत्मा के लिए अवश्य निकालें।प्रवचन के पश्चात चातुर्मास महिला समिति द्वारा प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संतश्री ने उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं को रात्रि भोजन त्याग का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम में आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

अग्रवाल विद्यालय में उल्लास से मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश एवं माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर हवन तथा मंत्रोच्चारण से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी ने गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान, अनुशासन और कृतज्ञता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, प्रेरणादायक भाषण, कविता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने गुरुओं के प्रति आदर व्यक्त किया।

कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अक्षत, कुमकुम एवं पुष्प से पाद पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में सभी को जीवन में गुरु के आदर्शों का अनुसरण करने तथा शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संकल्प दिलाया गया।

जीवन में धन से नहीं, धर्म से शांति मिलती है : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एसएस जैन संघ साहुकारपेट के तत्वावधान में जैन भवन में विराजित संतश्री जयतिलकमुनिजी ने अपने दैनिक प्रवचन में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में धन से नहीं, धर्म से शांति मिलती है। उन्होंने बताया कि धन जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन है, किन्तु वास्तविक सुख और आत्मिक शांति धर्म, सदाचार एवं संयम से प्राप्त होती है। आज मनुष्य धन कमाने की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि परिवार, संस्कार और धर्म के लिए समय नहीं निकाल पा रहा है। धन का सदुपयोग तभी है जब वह धर्म, सेवा और परोपकार के कार्यों में लगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि घर की शोभा केवल धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि संस्कार, सदभावना और धार्मिक वातावरण से बढ़ती है। अतिथि सेवा, जीव दया और जरूरतमंदों की सहायता भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है। संतश्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में धर्म को सर्वोच्च स्थान दें, बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान करें तथा समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगदान दें।

उन्होंने कहा कि धर्म की आराधना ही आत्मकल्याण का सच्चा मार्ग है। प्रवचन में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया तथा संतश्री के प्रेरणादायी संदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। संघ के अध्यक्ष डा. संजय पिंचा ने जानकारी दी कि हर रविवार को आठ से अस्सी वर्ष आयु के सभी श्रावकों व श्राविकाओ के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा।

गुरु की शरण में शून्य बनो, तभी पूर्णता का होगा साक्षात्कार : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

पूर्णिमा महोत्सव में गुरु-भक्ति, समर्पण और आत्मविकास का मिला संदेश

चेन्नई। शहर के वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान तथा आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी के सान्निध्य में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। गौतम किरण परिसर में आयोजित 'सद्गुरु शरणं मम' कार्यक्रम का शुभारंभ 'गुरु का संग मिला जब से, बात बनी है तब से' के मंगल उद्घोष तथा लाभार्थी कोठारी उत्तमराज हस्तीमल परिवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं अक्षत-पुष्प अर्पण के साथ हुआ।

आचार्यश्री ने कहा कि जब प्रभु की कृपा होती है तब सद्गुरु का संयोग प्राप्त होता है और जब गुरु की कृपा होती है तब प्रभु का साक्षात्कार संभव होता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल गुरु प्राप्त करना नहीं, बल्कि गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण विकसित करना है। यदि जीवन में शिष्य बनना है तो अहंकार का त्याग कर गुरु चरणों में स्वयं को समर्पित करना होगा। शिष्य बनने के बाद गुरु अनुशासन भी करते हैं और वही अनुशासन आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। आचार्यश्री ने कहा कि शिष्य की वृत्ति श्वान जैसी निष्ठावान और वफादार होनी चाहिए। जीवन में यदि एक भी सद्गुरु मिल जाए तो जीवन धन्य हो जाता है। गुरु से प्रभु को और प्रभु से गुरु को मांगने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि गौतमस्वामी हमारे आद्य गुरु हैं और हमारी सम्पूर्ण गुरु परम्परा उन्हीं से प्रकाशित होती है। प्रत्येक

गुरु में गौतमस्वामी की छवि देखने का प्रयास करना चाहिए। गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्णिमा का चन्द्रमा पूर्णता और शून्यता, दोनों का प्रतीक है। भगवान बनने का अर्थ है पूर्ण बनना और भक्त बनने का अर्थ है शून्य बनना। जो शून्य बनने का साहस करता है, वही पूर्णता को प्राप्त करता है। गौतमस्वामी भी तभी गुरु बने, जब वे भगवान महावीर के समक्ष पूर्णतः शून्य बने। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वर्षा का जल गड्ढे में भरता है, पर्वत पर नहीं ठहरता। इसी प्रकार विनम्रता ही ज्ञान को धारण कर सकती है। आचार्यश्री ने कहा कि देव श्रद्धा के केंद्र हैं, जबकि गुरु समर्पण के केंद्र हैं। गुरु से ही जीवन की वास्तविक यात्रा प्रारम्भ होती है। उन्होंने गुरु की पांच विशेषताओं को पाँच 'जी' के माध्यम से समझाया, ग्रिप (पकड़), ग्रेस (कृपा), ग्रोथ (विकास), गाइड (मार्गदर्शक) और गॉड (भगवान)। उन्होंने कहा कि सच्चे गुरु शिष्य के गुण-दोष दोनों की चिंता करते हैं। जैसे रोग का उपचार करने वाला चिकित्सक प्रिय होना चाहिए, वैसे ही हमारे दोषों को बताने वाले गुरु भी प्रिय होने चाहिए।

एसपीआर इंडिया ने 'डिस्ट्रिक्ट 12' स्मार्ट ऑफिस स्पेस का किया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एसपीआर इंडिया ने तमिलनाडु सरकार की पहल 'पेरम्बूर 2.0' के समर्थन में एमएसएमई सेक्टर के लिए 'डिस्ट्रिक्ट 12' स्मार्ट ऑफिस स्पेस का अनावरण किया। ऑफिस स्पेस अनावरण के अवसर पर तमिलनाडु वणिगर संगम पेरमाइप्पु के राज्य अध्यक्ष विक्रम राजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एमएसएमई, आइटी-आइटीई कंपनियों, उद्यमियों और बड़ी संख्या में निवेशकों ने भाग लिया। अनावरण अवसर पर पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर अनिरुद्ध श्रीकांत तथा बिग बॉस तमिल फेम संयुक्ता ने भी 'परियोजना का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम में 'पेरम्बूर 2.0' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया जिसका संचालन पत्रकार अवुदैयप्पन एस. ने किया। पैनल में शेल्वी के. दमोदर, डॉ. सैम पॉल, एसपीआर ग्रुप के प्रबंध निदेशक हितेश कवाड़ और मार्केट ऑफ इंडिया के बिजनेस हेड राहुल राजमुथैया भी शामिल रहे।

कार्यक्रम में एसपीआर कमर्शियल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शशि कुमार ने मार्केट ऑफ इंडिया की महत्ता पर विस्तृत प्रकाश डाला जबकि एसपीआर ग्रुप के निदेशक नवीन रांका ने किस प्रकार पेरम्बूर इलाका औद्योगिक क्षेत्र से आधुनिक व्यावसायिक क्षेत्र में परिवर्तित हुआ के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। एसपीआर इंडिया के प्रबंध निदेशक हितेश कवाड़ ने एसपीआर कंस्ट्रक्शन की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और संगठित व्यापारिक वातावरण छोटे व्यापारियों को नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि डिस्ट्रिक्ट 12 एसपीआर सिटी के 63 एकड़ इकोसिस्टम में स्थित हैं और 120 से 3000 वर्ग फुट तक के छोटे और मझोले ऑफिस स्पेस उपलब्ध करा रहा है।

इस पूरे परिसर में आधुनिक सुविधाएं, सुरक्षा बिजनेस क्लब, पार्किंग और कनेक्टिविटी की मजबूत व्यवस्था है हमने इस अनावरण के साथ पेरम्बूर को चेन्नई के सबसे आशाजनक व्यावसायिक गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा एक महत्वपूर्ण और संतोषजनक कदम आगे बढ़ाया है।

अज्ञान रुपी अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं गुरु : संतश्री विमलपुण्य

गुरु पूर्णिमा पर पांच गुरु की महिमा का किया विवेचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के चंद्रप्रभु नया मंदिर ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी के शिष्यरत्न पंन्यास विमलपुण्य विजयजी ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो अज्ञानरूपी अंधकार को दूर कर ज्ञानरूपी प्रकाश का प्रसार करे, वही सच्चा गुरु है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन अत्यंत पावन एवं महत्त्वपूर्ण है। शास्त्रों के अनुसार इस शुभ दिवस पर दस करोड़ आत्माओं ने मोक्ष प्राप्त कर सिद्ध पद को प्राप्त किया था। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि इस अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पांच प्रकार के गुरु को पहचानकर उनके प्रति श्रद्धा और समर्पण विकसित करना चाहिए।पंन्यासश्री ने बताया कि प्रथम गुरु तीर्थंकर परमात्मा हैं, जो हमारे परमगुरु हैं। वे स्वयं संसार-सागर से पार होकर असंख्य जीवों को मोक्षमार्ग का पथ दिखाते हैं तथा स्वयं जीतकर दूसरों को भी जीतने की प्रेरणा देते हैं। भगवान महावीर जैसे परमगुरु का मिलना हमारा महान सौभाग्य है।

उन्होंने कहा कि दूसरे सद्गुरु हैं, जो अपने ज्ञान और आचरण से जीवों को सन्मार्ग दिखाते हैं। आगम-व्यवहारी एवं शुद्ध-व्यवहारी गुरु की आज्ञा का पालन बिना किसी संकोच के करना चाहिए तथा उनकी परंपरा को स्वीकार कर उसका निर्वहन करना चाहिए। उपाश्रय का अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि 'उपाश्रय' अर्थात समीप का आश्रय, जहां आत्मा के दर्शन, ज्ञान और चारित्र की उपासना की जाती है। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में श्रुत व्यवहार, आगम व्यवहार, आज्ञा व्यवहार, धारणा व्यवहार तथा जिन व्यवहार, इन पांच प्रकार के व्यवहारों का उल्लेख मिलता है। तीन गीतार्थ गुरुओं द्वारा स्थापित परंपरा को स्वीकार करना ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग है।दीक्षा गुरु के संदर्भ में उन्होंने कहा कि जो संयम का अमूल्य दान देकर दीक्षा प्रदान करते हैं, वे दीक्षा गुरु कहलाते हैं। उन्होंने तीन प्रकार के विद्या गुरु का भी उल्लेख करते हुए कहा कि कलाचार्य अक्षरज्ञान देते हैं, माता-पिता संस्कारों का ज्ञान कराते हैं तथा धर्माचार्य जिनशासन का मार्ग दिखाकर देव, गुरु और धर्म की सही पहचान कराते हैं।

प्रवचन के अंत में पंन्यासश्री ने कहा कि तीसरे और सबसे निकट आत्मगुरु हमारी अपनी आत्मा है। गुरु पूर्णिमा आत्मजागरण का पर्व है। जो व्यक्ति अपनी आत्मा को जागृत नहीं करता, वह गुरु-द्रोही बन जाता है और उसका जीवन पतन की ओर अग्रसर हो जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को गुरु के उपदेशों का अनुसरण करते हुए आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए।

दादावाड़ी में मनाया गया गुरुपूर्णिमा महोत्सव

बेंगलूरु//दक्षिण भार। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के विशेष प्रवचन में कहा कि गुरुकृपा से कंकर भी शंकर बन जाता है। साध्वियों ने अपने गुरुओं के प्रति समर्पण भावना से ओत प्रोत गीतिकाएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने कहा कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा से कार्तिक मास की पूर्णिमा तक हमें मोह माया को छोड़कर तपस्या और त्यागमय जीवन जीना है। धर्म की बाड़ से हमें जीवन को सुरक्षित रखना है। प्रभु महावीर ने जिनवाणी हमारी आत्मा के कल्याण हेतु बरसाई है। चातुर्मास का हमारा पहला कर्तव्य सामायिक करना है, जिसमें हमें अड़तालीस मिनट तक साधुता के भावों में समता भाव में जीना होता है। चातुर्मास का दूसरा कर्तव्य प्रतिक्रमण है। चातुर्मास के दौरान सुबह और शाम का प्रतिक्रमण करके हमें अपने द्वारा किए गए कर्मों की निर्जरा करनी चाहिए। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अनेक सदस्यों ने मुनिश्री मलयप्रभसागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी के दर्शन वन्दन करके आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रवचन के दौरान खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री मणिप्रभसूरीश्वर जी, साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी व सुलक्षणाश्रीजी के चित्र के साथ ही साध्वियों का गुरुपूजन का लाभ दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मनोजकुमार आनन्दकुमार मालानी परिवार ने लिया। साध्वियों का अक्षतों से स्वागत करने का लाभ बाबूलाल अशोककुमार महावीर लुंकडमेहता परिवार को मिला।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.